दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

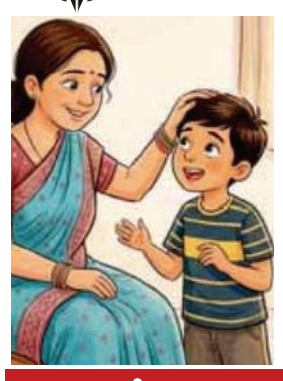

अमन लेखनी

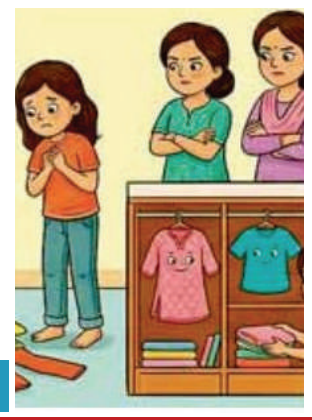

पुलकित का सपना ...

काश हम कुछ कह पाते ...

वर्ष : 12 अंक : 122 लखनऊ, 25 अप्रैल, शनिवार 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

जातिवाद के नाम पर देश को लूटने वाले राष्ट्रद्रोहियों से सावधान रहें : सीएम

राष्ट्रकवि दिनकर की कृति आज भी राष्ट्र चेतना की मशाल, साहित्य समाज का दर्पण, मुख्यमंत्री ने देखा रश्मिरथी का मंचन, कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति की सराहना की

अमन लेखनी समाचार

● स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और अटल पर भी होंगे विशेष नाट्य कार्यक्रम

लखनऊ। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति रश्मिरथी आज भी समाज और राष्ट्र को दिशा देने वाली प्रेरणा है। यदि भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है तो जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय रश्मिरथी पर्व के शुभारंभ एवं रश्मिरथी से संवाद स्मारिका के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर की कालजयी काव्यकृति रश्मिरथी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साहित्य के ऐसे सशक्त साधक के प्रति हम सब अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रदेश की राजधानी में एकत्र हैं। यहां हम उनकी कालजयी काव्यकृति पर आधारित नाट्य-श्रृंखला का मंचन देखेंगे। हम देखेंगे कि किस प्रकार मां सरस्वती दिनकर की जिह्वा पर विराजती थीं और उनकी लेखनी शब्दों को पिरोती थी। यह सब रश्मिरथी के इस मंचन के माध्यम से हम सभी को देखने-सुनने को मिलेगा। इस अवसर पर दिनकर की स्मृतियों को नमन करते हुए मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सीएम योगी ने कहा कि जब इस कार्यक्रम का पत्र मिला, तो सबसे पहले मैंने कहा कि यह कार्यक्रम उसी दिन रखिए, जिस दिन मैं भी इसका भागीदार बन सकूं, क्योंकि मैं अक्सर दिनकर जी की कृतियों के कुछ अंश लेकर विरोधियों पर प्रहार भी करता हूं। भारत धन-धान्य से परिपूर्ण रहा है, दुनिया की बड़ी ताकत रहा है, लेकिन भारत ने सैकड़ों वर्षों की गुलामी भी सही है। बल और बुद्धि में भारत का कोई मुकाबला नहीं कर सकता था, लेकिन हमारी कुछ कमियां भी थीं। दिनकर जी ने इन कमियों पर जिस प्रकार प्रहार किया है, उसे देखकर मुझे अच्छा लगता है। आप इस नाट्य मंचन के माध्यम से भी देखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिनकर जी ने रश्मिरथी में लिखा है कि ऊंच-नीच का भेद न जाने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है, दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है। जातिवाद पर भी उन्होंने कितना सशक्त प्रहार किया है, मूल जानना बड़ा कठिन है नदियों का, वीरों का, धनुष छोड़कर और गोत्र क्या होता रणधीरों का। पाते हैं सम्मान तपोबल से भूतल पर शूर, जाति-जाति का शोर मचाते केवल कायर क्रूर।

सीएम योगी ने कहा कि यदि हमें अपनी आजादी को लंबे समय तक अक्षुण्ण बनाए रखना है और विकसित व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करना है, तो जातिवाद के नाम पर देश को लूटने और समाज को कमजोर करने वाले राष्ट्रद्रोहियों से सावधान रहना होगा। युवा वर्ग के लिए दिनकर जी इस बात की प्रेरणा इन पंक्तियों के माध्यम से दशकों पहले ही दे चुके हैं, सच है, विपत्ति जब आती है, कायर को ही दहलाती है, सूरमा नहीं विचलित होते, क्षण एक नहीं धीरज खोते, विघ्नों को गले लगाते हैं, कांटों में राह बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिनकर जी ने समाज की चेतना को जिस रूप में जागरूक किया और पूरे समाज को एकजुट किया, वह अद्वितीय है। अपनी कृतियों के माध्यम से वह अलग-अलग स्तरों पर लोगों को जागृत करते रहे और देश की चेतना को निरंतर सशक्त करते रहे। जब भारत के लोकतंत्र को दबाने का प्रयास हुआ, तब भी दिनकर जी ने आह्वान किया- सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। शब्द किस प्रकार मंत्र बन जाएं और हर व्यक्ति के मन में राष्ट्र के लिए त्याग, चेतना और समर्पण की भावना को जागृत करें, यह गुण महान कवि में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रश्मिरथी' ऐसे पात्र के बारे में है, जो अपनी पहचान के लिए मोहताज रहा। उसकी गाथा को दिनकर जी ने जिस प्रकार प्रस्तुत किया और उसके गुणों की व्याख्या की, उसने हर व्यक्ति को सोचने के लिए मजबूर किया कि कौन किस स्थान पर हो सकता है और हमें किसी की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। सीएम ने बताया कि उन्होंने संस्कृति विभाग से कहा है कि ऐसी साहित्यिक कृतियों पर आधारित कार्यक्रम आज की पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा हैं। इस प्रेरणा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। कल यहीं पर स्वामी विवेकानंद पर आधारित एक नाट्य मंचन का कार्यक्रम है। स्वामी विवेकानंद हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। वह एक संन्यासी थे, लेकिन हर युवा के लिए मार्गदर्शक बने। उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की वैदिक और सनातन परंपरा को सम्मान दिलाया। उन्होंने ज्ञान को विज्ञान के साथ जोड़कर तत्कालीन समाज को उसके अनुरूप तैयार करने का कार्य किया और भारत की चेतना को जागरूक करने के लिए पूरी शक्ति के साथ समर्पित रहे। स्वामी विवेकानंद ने शिकागो की धर्मसभा के बाद भारत में जो यात्राएं कीं, उनमें लखनऊ, अयोध्या, काशी सहित उत्तर प्रदेश के कई स्थान शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 अप्रैल को यहां लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक पर आधारित कार्यक्रम होगा। तिलक जी ने भारत की स्वाधीनता के लिए स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा, का उद्घोष इसी लखनऊ में किया था, जो भारत की आजादी का एक प्रमुख केंद्र बना। इसी दिन अटल स्वरांजलि कार्यक्रम भी आयोजित होगा, जिसमें भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं पर आधारित एक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। अटल जी का शताब्दी वर्ष हाल में संपन्न हुआ है, और इस अवसर पर लखनऊ में राष्ट्रप्रेरणा स्थल का निर्माण भी किया गया है। लखनऊ लंबे समय तक अटल जी की कर्मभूमि रहा है। सीएम योगी ने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थानों के युवाओं को भी इस कार्यक्रम में सहभागी बनाया जाए। जिनकी परीक्षाएं नहीं हैं, वे आएं और इस कार्यक्रम को देखें। उनके आने-जाने की व्यवस्था भी की जानी चाहिए और इसके लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। वे साहित्य के बारे में जानें, क्योंकि साहित्य वास्तव में समाज का दर्पण होता है। दर्पण जैसा होता है, वैसा ही चित्र दिखाई देता है। हम राष्ट्र को कैसा बनाना चाहते हैं, ये साहित्यिक कृतियां उसका आधार बनती हैं और उनसे हम प्रेरणा प्राप्त करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि मैं स्वामी विवेकानंद की स्मृतियों को नमन करता हूं और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने महाराष्ट्र में गणपति महोत्सव के माध्यम से सांस्कृतिक चेतना को राष्ट्रीय चेतना से जोड़कर उसे नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। यही चेतना 1916 में लखनऊ में भी गूंजी, जब तिलक ने स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है का उद्घोष किया। उनकी स्मृति में वर्ष 2017 में लखनऊ में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसके लिए तत्कालीन राज्यपाल ने प्रेरणा दी थी। उस अवसर पर तिलक जी के परिवार के सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रश्मिरथी का मंचन भी देखा। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया कि आमजन को ऐसी कृतियों से अवगत कराएं। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, डॉ. सत्यपाल सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, संस्कृति/पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नेता नीरज सिंह, दिनकर स्मृति न्यास के अध्यक्ष नीरज कुमार, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के सुपौत्र ऋत्विक उदयन आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

राजस्थान विधानसभा को बम से उड़ा देंगे

जयपुर। शुक्रवार को विधानसभा में आत्मघाती हमले की चेतावनी वाला एक धमकी भरा इंमेल प्राप्त हुआ। सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर में गहन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। यह 2सप्ताह से कम समय में दूसरी धमकी बताई गई है।

भंडारा में कार-ट्रक की भिड़ंत में 5 की मौत

भंडारा। शादी समारोह से घर लौटते समय मारुति ओमनी और ट्रक की जोरदार टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 घायल हो गए। यह हादसा गुरुवार रात महाराष्ट्र के भंडारा जिले में हुआ। मृतकों में दूल्हे के चाचा-चाची भी शामिल हैं। हादसा पावनी तहसील के अद्याल गांव के पास हुआ।

पासपोर्ट विवादः खेड़ा की अग्रिम जमानत खारिज

गुवाहाटी। हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दाखिल की गई थी। गिरफ्तारी से बचाव को अग्रिम जमानत की मांग

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दी जानकारी

व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल और छोटे सिलेंडरों की मांग बढ़ी

1.47 लाख टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है। इसके साथ ही पांच किलो के सिलेंडरों की बिक्री भी सुचारू 1.47 लाख टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है। इसके साथ ही पांच किलो के सिलेंडरों की बिक्री भी सुचारू 1.47 लाख टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है

गुरुवार तक बेचे गए 5 किलो के 81 हजार सिलेंडर

यूरिया उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति 95% तक बहाल

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति लगभग 70 प्रतिशत तक बहाल हो चुकी है और अप्रैल में अब तक 1.47 लाख टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है। इसके साथ ही पांच किलो के सिलेंडरों की बिक्री भी सुचारू रूप से जारी है। गुरुवार को ही 81000 से अधिक पांच किलो के सिलिंडर बिके। वहीं, यूरिया की आपूर्ति बहाल करने और संकट निवारण योजना पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल शोधन) सुजाता ने बताया कि यूरिया उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति 95 प्रतिशत तक बहाल कर दी गई है।

■ अप्रैल में अब तक 1.47 लाख टन एलपीजी बेची

सरकार के प्रयास- न हो किसी तरह की परेशानी

एलपीजी की मांग और आपूर्ति पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव शर्मा ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, मांग के अनुसार प्रबंधन के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए गए हैं। बुकिंग को कुछ हद तक सुव्यवस्थित किया गया है। परिणामस्वरूप, पेट्रोल और डीजल की घरेलू आपूर्ति बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चल रही है। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति भी बिना किसी बाधा के हो रही है।

नांग और आपूर्ति को प्रबंधित किया

संकट शुरू होने के बाद से ही मंत्रालय और सरकार ने मांग और आपूर्ति को सक्रिय रूप से प्रबंधित किया है। उपायों में घरेलू रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन बढ़ाना, कच्चे तेल और एलपीजी की कार्गो सुरक्षित करना और घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए विशेष निर्यात शुल्क लगाना शामिल है। इन कदमों से घरेलू बाजार में कोई कमी नहीं हुई है।

कोयला और केरोसिन जैसे ईंधनों की आपूर्ति बढ़ाई

वाणिज्यिक क्षेत्र में अभी भी कुछ समस्याएं हैं, लेकिन सरकार ने धीरे-धीरे वहां आपूर्ति बढ़ाकर लगभग 70फीसदी कर दी है। उद्योगों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कोयला और केरोसिन जैसे अतिरिक्त ईंधनों की आपूर्ति बढ़ाई जा रही है। प्राकृतिक गैस की आपूर्ति घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन (सीएनजी) के लिए 100फीसदी है और ग्रिड पर औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग 80 फीसदी है। सरकार ने हर स्तर पर जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए कदम उठाए हैं।

दिक्कत के बीच तेजी से बढ़े पीएनजी ग्राहक

5 लाख जुड़े और लाखों लोग अभी कतार में

सुजाता के अनुसार मार्च 2026 से अब तक कुल 5.10 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शनों को गैसयुक्त किया जा चुका है। इसके अलावा, करीब 5.77 लाख नए ग्राहकों ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि बुनियादी ढांचे के विस्तार पर भी युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। अब तक 7.66 लाख नए पीएनजी कनेक्शनों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया गया है, जिनमें से 2.56 लाख नए कनेक्शन जल्द ही गैस से जोड़ दिए जाएंगे। खास बात यह है कि उपभोक्ता अब पुराने विकल्प को छोड़ने के लिए भी तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक 19 अप्रैल 2026 तक लगभग 39,400 उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के माध्यम से अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

लखनऊ में उत्तर क्षेत्र कृषि सम्मेलन

हर राज्य जलवायु व जरूरत के हिसाब से बनाएं कृषि योजना

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा- अच्छे बीज, किसान आईडी और केसीसी पर तेज काम जरूरी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र कृषि सम्मेलन खेती-किसानी के नए विजन, नई कार्ययोजना और किसान-केंद्रित सोच का मजबूत मंच बनकर उभरा है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा कि कृषि विकास का अगला दौर तभी सफल होगा जब वैज्ञानिक शोध खेत तक पहुंचेगा, योजनाएं छोटे किसान तक प्रभावी रूप से उतरेंगी और हर राज्य अपनी भौगोलिक व जलवायु परिस्थितियों के अनुसार स्पष्ट रोडमैप बनाएगा।

चौहान ने कहा कि पहले खरीफ और रबी को लेकर पूरे देश की एक ही बैठक होती थी लेकिन इतने बड़े देश में एक ही मंच पर सभी समस्याओं और संभावनाओं पर गहराई से चर्चा कर पाना संभव नहीं था। यही कारण है कि अब जोनल कॉन्फ्रेंस की दिशा में कदम बढ़ाया गया है ताकि अलग-अलग क्षेत्रों की माटी, जलवायु, फसल प्रणाली और चुनौतियों के अनुसार बेहतर रणनीति तय की जा सके।

यूपी खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा

उन्होंने उत्तर क्षेत्र को कृषि दृष्टि से अहम बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में पंजाब और हरियाणा जैसे हरित क्रांति के अग्रणी राज्य हैं, वहीं उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों की बागवानी, फल, फूल और सब्जी उत्पादन की अपनी विशेष पहचान है इसलिए यह सम्मेलन अनुभवों के आदान-प्रदान और सामूहिक रणनीति निर्माण का प्रभावी मंच है।

किसान की आय में वृद्धि बड़ा लक्ष्य

चौहान ने कहा कि देश के सामने तीन बड़े लक्ष्य स्पष्ट हैं - खाद्य सुरक्षा, किसान की आय में वृद्धि और पोषणयुक्त आहार की उपलब्धता। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्पादन बढ़ाना, लागत घटाना, किसान को पसीने की कीमत दिलाना, फसल नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना और कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने उर्वरकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि यह समझना जरूरी है कि बढ़ती खपत वास्तविक आवश्यकता पर आधारित है या केवल परंपरागत आदत के कारण हो रही है। संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा, प्राकृतिक खेती और जैविक विकल्पों की ओर बढ़ना आने वाले समय की अहम आवश्यकता है।

सस्ती दर पर दे रहे ऋण

उन्होंने किसान आईडी और किसान क्रेडिट कार्ड पर भी जोर देते हुए कहा कि किसान की पहचान, ऋण, योजनाओं और सेवाओं को सरल बनाने में ये दोनों बेहद उपयोगी साधन हैं। उनके मुताबिक किसान आईडी बनने से कई प्रक्रियाएं आसान होंगी जबकि वंचित किसानों तक किसान क्रेडिट कार्ड पहुंचाने से छोटे और सीमांत किसानों को सस्ती दर पर संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।

केवीके को सक्रिय कर रहे

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि विज्ञान केंद्रों को सक्रिय करने, उन्हें जवाबदेह बनाने और किसानों के साथ उनका सीधा जुड़ाव बढ़ाने का असर साफ नजर आ रहा है। जब वैज्ञानिक स्थानीय स्तर पर खेतों में प्रदर्शन करते हैं, किसानों के साथ बैठकर नई पद्धतियों पर चर्चा करते हैं और लगातार फॉलोअप करते हैं तब वास्तविक परिवर्तन आता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे, वहीं उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी, पंजाब के कृषि मंत्री गुरुमीत सिंह खुड्डियां, पंजाब के उद्यान मंत्री महेंद्र भगत, हिमाचल प्रदेश के उद्यान मंत्री जगत सिंह नेगी, जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री जावेद अहमद डार, उत्तर प्रदेश के कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और उत्तर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख भी सम्मेलन में उपस्थित रहे।

अजय माकन ने कहा- युवा कांग्रेस समस्याओं को लेकर लोगों के बीच जाएगी

'बेहतर दिल्ली' अभियान, प्रदूषण, पानी की किल्लत, जलभराव से मुक्ति की होगी कोशिश

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय युवा कांग्रेस ने राजधानी दिल्ली में प्रदूषण, गंदगी, पानी की किल्लत और जलभराव जैसी समस्याओं से जनता को राहत दिलाने भाजपा सरकार के खिलाफ संघर्ष का ऐलान करते हुए 'बेहतर दिल्ली' अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने इस मुहिम का रोडमैप साझा किया। माकन ने कहा कि युवा कांग्रेस ने देश के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को सुलझाने एक जरूरी पहल की है, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हो रही है। युवा कांग्रेस ने तय किया है कि वह जरूरी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं पर चर्चा करेगी और उनके समाधान के लिए जरूरी कदम उठाएगी।

मनरेगा कमजोर होने से शहर पर दबाव

माकन ने कहा कि देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है, लेकिन उनकी समस्याओं पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मनरेगा के कमजोर होने से गांवों से पलायन बढ़ेगा और शहरों पर दबाव बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी चलाया जाएगा।

जनता को कूड़े से निजात नहीं मिली

देवेंद्र ने देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली की बदतर हालत को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म नहीं हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस समस्या का हल निकालने के बजाए कूड़े को कॉलोनियों में खुली जगह पर डालना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कचरा प्रसंस्करण भी एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण आज तक जनता को कूड़े की समस्या से निजात नहीं मिल सकी है। किराड़ी, बवाना और नरेला में कूड़े के नए पहाड़ खड़े किए जा रहे हैं।

भाजपा टैक्स वसूल रही, सुविधाएं नहीं

उन्होंने कहा कि अब गर्मियां आते ही बिजली कटौती भी शुरू हो चुकी है। उन्होंने पेयजल की समस्या उठाते हुए कहा कि दिल्ली को 1500 एमजीडी पानी की जरूरत है, लेकिन 861 एमजीडी ही उपलब्ध हो रहा है। इस पानी में से भी 57 प्रतिशत लीक हो रहा है। इसी वजह से टैंकर माफिया हर जगह मौजूद हैं। उन्होंने दिल्ली की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि एक लाख करोड़ रुपये के बजट की घोषणा की गई, लेकिन उसमें से सिर्फ 57 प्रतिशत ही खर्च होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार अलग-अलग टैक्सों के नाम पर वसूली तो करती है, लेकिन लोगों को सुविधाएं नहीं देती।

दिल्ली विश्व की प्रदूषण राजधानी बनी

युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने भी दिल्ली की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली को विश्व की हरित राजधानी कहा जाता था, जहां कांग्रेस सरकार के समय 22 प्रतिशत से ज्यादा ग्रीन कवर बढ़ा था। लेकिन आज मौजूदा भाजपा और पूर्व की केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को विश्व की प्रदूषण राजधानी और गैस चैंबर बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और दिल्ली में भाजपा सरकारें हैं और मेयर भी भाजपा के हैं, फिर भी प्रदूषण के कारण हजारों मौतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण, पीने के पानी की किल्लत और जलभराव जैसी समस्याओं से जनता परेशान है। इसलिए युवा कांग्रेस स्थानीय लोगों के बीच जाकर उनसे संवाद करेगी, उन्हें राहत दिलाने के लिए सरकार के खिलाफ संघर्ष किया जाएगा और प्रदर्शन भी होंगे।

उप मुख्यमंत्री ने जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों व समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

शादी विवाह के आयोजनों में गैस की आपूर्ति बाधक ना बने, जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जाएं सिलेंडर

अवैध खनन के नाम पर किसानों का ना हो उत्पीड़न, यथाशीघ्र कराया जाए गन्ना मूल्य भुगतान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में आज जनपद बरेली के प्रशासनिक अधिकारियों व समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार बरेली में सम्पन्न हुई।बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति समस्या लेकर जाए तो उसका समाधान करें यदि समाधान नहीं हो सकता है तो उसका पर्याप्त कारण बताएं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुचाने की दिशा में विशेष ध्यान देना होगा, जिससे सरकार की छवि खराब ना हो। बैठक में उप मुख्यमंत्री जी ने तहसील नवाबगंज एवं बहेड़ी के गन्ना किसानों का भुगतान के बारे में जानकारी ली, जिस पर जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि नवाबगंज चीनी मिल की नीलामी हो गयी है तथा बहेड़ी शुगर मिल की नीलामी दिनांक 29 अप्रैल को है, जिस पर उप मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि यथाशीघ्र समस्या का समाधान करते हुए किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान कराया जाए। बैठक में उप मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए गए कि एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाया जाए जिसमें जनप्रतिनिधि/पार्टी पदाधिकारी व अधिकारी जुड़े रहे और यदि कोई जनप्रतिनिधियों द्वारा समस्या बतायी जाती है तो उसका निस्तारण कर कृत कार्यवाही से अवगत कराया जाए। बैठक में निर्देश दिए गए कि गेहूं खरीद के मध्य कोई दलाल नहीं आना चाहिए तथा हर हाल में गेहूं क्रय केन्द्रों पर खरीद होनी चाहिए और गेहूं क्रय केन्द्रों पर किसी प्रकार की अवैध वसूली नहीं होनी चाहिए यदि ऐसा होता है तो कठोर कार्यवाही की जाए और कृत कार्यवाही से उन्हें भी अवगत कराया जाए। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन के नाम किसानों का उत्पीड़न और भू-माफियाओं का संरक्षण नहीं होना चाहिए यदि जनपद में कोई अवैध निर्माण हुआ है तो वह किसके कार्यकाल में हुआ है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जाए। उप मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि जो हाईवे निमार्णाधीन हैं उनके टेंडर में यह प्राविधान रहता है कि यदि निर्माण सामग्री लाने व ले जाने में आस-पास सड़के छतिग्रस्त हो जाती है तो वो कार्यदायी संस्था उन सड़कों को निश्चित समयसीमा में बनवाएंगी, जिससे वहां के स्थानीय निवासियों/ग्रामीणों को असुविधा ना हो। बैठक में निर्देश दिए गए कि तहसील, थाना और विकास खण्ड को मॉडल बनाएं, वहां कोई समस्या लेकर

आए तो उस समस्या का निराकरण कराएं और आगन्तुकों का आदर करें, निरादर ना करें तथा लोगों के बैठने आदि के लिए पर्याप्त कुर्सियों आदि की व्यवस्था करें। इसी प्रकार तहसील दिवस/थाना दिवस/ग्राम चौपाल आदि को औपचारिकता ना बनाकर लोगों की समस्याओं के निस्तारण का प्रभावी माध्यम बनाए जाने के निर्देश दिए गए, जिससे लोगों की समस्या का निराकरण स्थानीय स्तर पर हो सके और वह अनावश्यक रूप से लखनऊ के चक्कर लगाने की परेशानी से बच सकें। इन दिवसों के आयोजन का रोस्टर जनप्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराया जाए। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निर्देश दिए कि बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में यदि कहीं शौचालय आदि की समस्या हो तो उसे दूर कराया जाए। समूह की दीदीयों आदि के माध्यम से ड्रेस आदि बनवायी जाएं, जिससे उन्हें रोजगार मिल सके। इसके साथ ही प्राइवेट स्कूलों में नया पाठ्यक्रम लागू करने में मनमानी की जा रही हो,तो इस पर कमेटी गठित कर यह जांच करायी जाए कि कहीं ये अवैध कमाई का माध्यम तो नहीं है। बैठक में देवहा नदी के किनारे स्थित जरपा मोहनपुर गांव में पीएमजेएसवाई के अन्तर्गत बनी सड़क के बह जाने की शिकायत पर उसे सही कराने इसी प्रकार अभयपुर रिठौरा में निर्मित सड़क को हैण्डओवर कराने के निर्देश दिए गए। मत्स्य पालन का पट्टा पात्रों को ही मिले, जिन आपात्रों को पट्टा मिला है उसकी जांच करायी जाए। सभी निर्माण कार्यों पर शिलापट्ट लगवाएं जाने और उसमें जनप्रतिधियों का नाम अवश्य अंकित किए जाने के निर्देश दिए गए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शादी विवाह के आयोजनों में गैस की आपूर्ति बाधक ना बने इसका विशेष ध्यान दिया जाए । उप मुख्यमंत्री ने सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत फुटपाथ निर्माण में लेवलिंग का ध्यान रखने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता जल जीवन निगम द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 121 गांवों में कार्य पूर्ण चुका है, जिस पर उक्त ग्रामों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनपद में यदि कहीं चकमार्ग, खलियान, चारागाह आदि पर अवैध कब्जे हैं तो उन्हें हटवाने और कब्जेदारों विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निराश्रित गौवंशों का संरक्षण करने और बायोगैस बनाने की दिशा में कार्य करने के भी निर्देश दिए गए और गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के सम्बन्ध में भी जानकारी ली गयी, जिस पर अवगत कराया गया कि 116 गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लग गए हैं। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ0 अरुण कुमार, महापौर उमेश गौतम, सांसद बरेली छत्रपाल गंगवार, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह व बहोरन लाल मौर्य, विधायक मीरगंज डॉ0 डी0सी0 वर्मा, विधायक बिथरी चैनपुर डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा, विधायक कैंट संजीव अग्रवाल, के अलावा दिग्विजय सिंह शाक्य, सोमपाल शर्मा, आदेश प्रताप सिंह, अधीर सक्सेना, अधिकारियों में अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, वीसी बीडीए मणिकंदन ए0, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व संतोष बहादुर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केवाईसी अपडेट के नाम पर साइबर ठगी, महिला के खाते से 4.13 लाख उड़ाए

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां 58 वर्षीय ममता बांदिल को ठगों ने केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर झांसे में लेकर उनके बैंक खाते से 4,13,500 रुपये निकाल लिए। जानकारी के अनुसार, ठगों ने महिला को फोन कर खुद को बैंक कर्मी बताया और केवाईसी अपडेट न होने पर खाता बंद होने की बात कही। इसके बाद उन्होंने महिला से मोबाइल पर स्क्रीन शेयर कराने को कहा। जैसे ही पीड़िता ने स्क्रीन शेयर की, ठगों ने उनके खाते तक पहुंच बनाकर कुछ ही देर में लाखों रुपये ट्रांसफर कर लिए। घटना का अहसास होने पर पीड़िता ने तत्काल पीजीआई थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल पर अपनी बैंकिंग जानकारी साझा न करें

ब्रेक फेल होते ही बेकाबू रोडवेज बस डिवाइडर पर चढ़ी

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई थाना क्षेत्र के कालिंदी मोड़ के पास शुक्रवार शाम करीब छह बजे एक रोडवेज बस (यूपी 33 टी 8641) का ब्रेक फेल हो गया। पुलिस के अनुसार ब्रेक फेल होते ही बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। उस समय बस में सात यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक, बस आलमबाग से मौरवा जा रही थी। चालक प्रेम प्रकाश ने बताया कि चलते समय अचानक ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया, जिससे बस पर नियंत्रण नहीं रह सका। बस में कंडक्टर राम कुमार भी मौजूद था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। इससे यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बस को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने एन एच आई को लिखा पत्र, सरोजनीनगर के लिए तीन अहम मांगें उठाईं

डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर दरोगा खेड़ा व शांतिनगर में फुट ओवरब्रिज निर्माण की मांग

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने दिनांक 23 अप्रैल 2026 (दो पत्र) एवं 24 अप्रैल 2026 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र लिखकर महत्वपूर्ण मुद्दों पर शीघ्र कार्यवाही का अनुरोध किया है। डॉ. सिंह ने लखनऊझकानपुर एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर निमार्णाधीन नालों के मिसिंग लिंक को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने का अनुरोध किया है।कृष्णा लोक कॉलोनी, दरोगा खेड़ा, रनीपुर फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी मोड़ एवं शहीद पथ एयरपोर्ट तिराहे जैसे प्रमुख स्थानों पर अधूरे कार्य के कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है, जिससे स्थानीय जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शांति नगर क्षेत्र (लगभग 30 हजार आबादी) तथा दरोगा खेड़ा क्षेत्र (लगभग 60 हजार आबादी) में आवागमन की गंभीर समस्या को देखते हुए फुट ओवरब्रिज एफ ओ बी निर्माण का अनुरोध किया है।

हज हाउस के पास तथा दरोगा खेड़ा चौराहे पर फुट ओवरब्रिज निर्माण से विशेषकर छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने पत्रों में यह भी उल्लेख किया है कि आवश्यकतानुसार निजी भूमि क्रय की प्रक्रिया अपनाकर इन परियोजनाओं को शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरोजनीनगर के नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में यातायात एवं जलनिकासी की समस्याओं का स्थायी समाधान होगा।

पं नवीन को मिस्टर यू पी से नवाजा गया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।फिटनेस गुरु पं नवीन को मिली योग के क्षेत्र मे नई पहचान मिस्टर यू. पी. 2026 से नवाजा गया बुड्ढेश्वर स्थित माँ कृपा होटल में दिव्यांगम इंटरनेशनल ट्रस्ट द्वारा इंडियन आइकॉनिक अवार्ड एवं मॉडलिंग कम्पटीशन हुआ ।जिसमें लोकबंधु नर्सिंग ऑफिसर योगाचार्य पं नवीन को मिस्टर यू. पी. 2026 का खिताब मिला ह्न यह उपाधि योगाचार्य नवीन को योग और फिटनेस के क्षेत्र मे अतुलनीय योगदान के लिए दी गयी ।योगाचार्य नवीन ने अपने सम्बोधन मे बताया की जीवन मे स्वस्थ्य रहने और मानसिक शांति के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में जरूर शामिल करें ।इससे पहले भी 2025 मे पं नवीन ने योग और फिटनेस के क्षेत्र मे चर्चा मे रहे और मिस्टर लखनऊ का खिताब हासिल कर चुके है ।इस मौके पर माडल्स, मेकअप आर्टिस्ट और बी. जे. पी के नेता और वरिष्ठ पत्रकारों की भी मौजूदगी रही।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में बिजनौर के औरंगाबाद जागीर निवासी शिवम वर्मा ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना-पत्र देकर यही की रॉयल सिटी औरंगाबाद निवासी महिला राधा, परसिया भंडारी, सोनू घाट, लखनऊ के विनायक प्रजापति और शंभू प्रजापति नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि उक्त तीनों आरोपियों ने उसके साथ सुनियोजित तरीके से करीब 3,99,500 रुपये की ठगी कर ली ।पीड़ित शिवम वर्मा के मुताबिक उसकी पड़ोसी राधा ने उसे अपने परिचित विनायक प्रजापति से मिलवाया, जो मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का दावा करता था। राधा के कहने पर शिवम ने विनायक से संपर्क किया, जिसके बाद कागजी कार्रवाई और फीस के नाम पर उससे चरणबद्ध तरीके से बड़ी रकम वसूली गई। पीड़ित ने बताया कि उसने फोन-पे के माध्यम से कुल 3.99 लाख रुपये आरोपी के खाते में ट्रांसफर किए। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आरोपियों द्वारा नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। बाद में विनायक प्रजापति ने शिवम को 3 जनवरी 2026 को मुंबई बुलाया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद भी वह मिलने नहीं आया। पीड़ित का कहना है कि तीन दिन तक इंतजार करने के बाद उसे ठगी का एहसास हुआ। शिवम का आरोप है कि इस पूरे षड्यंत्र में विनायक प्रजापति के भाई शंभू प्रजापति की भी संलिप्तता है। साथ ही, आरोपियों द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर भेजे गए और पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। फिलहाल मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश के बाद बिजनौर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुट गई है।

नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों के लिए दृढ़ संकल्पित सरकार –केशव प्रसाद मौर्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बरेली में आयोजित नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान कार्यक्रम में मातृशक्ति को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को 33% आरक्षण दिलाने के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 पारित कर देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसमें बाधा डालने का प्रयास किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्ननारी शक्ति का

अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानह्व के संकल्प के साथ यह संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का उल्लेख करते हुए श्री मौर्य ने कहा कि पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण के कारण ही आज महिलाएं नेतृत्वकारी भूमिकाओं में आ सकी हैं। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है तो वे हर क्षेत्र में असंभव को संभव कर दिखाती हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दलों ने महिलाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर सकारात्मक सहयोग नहीं किया। डबल इन्जन सरकार में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्री मौर्य ने महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि जनधन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन दिए गए, आवास योजनाओं में बड़ी संख्या में मकान महिलाओं के नाम पर दिए गए तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ह्ललखपति दीदीह्व जैसी पहलें महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश और प्रदेश को सशक्त बनाना है तो महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संदेश प्रत्येक बूथ, प्रत्येक घर और प्रत्येक महिला तक पहुंचाया जाए, ताकि समाज में व्यापक जागरूकता उत्पन्न हो सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, महिलायें एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा कारोबार के नाम पर लाखों रुपये की ठगी,डीसीपी से शिकायत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। राजधानी में ई-रिक्शा कारोबार के नाम पर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में सिद्धार्थनगर के बांसी स्थित आर्य नगर मोहल्ला निवासी पारसनाथ ने राजधानी लखनऊ की अलीगंज स्थित सेक्टर क्यू निवासी सुशील कुमार उर्फ सुशील कुमार राजवंशी पर आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत डीसीपी दक्षिणी से की। पारसानाथ का आरोप है कि सुशील कुमार उर्फ सुसील कुमार राजवंशी ने उनसे करीब 18.50 लाख रुपये ठग लिए।

पारसनाथ के मुताबिक उन्होंने पर पारस नाथ ने मामले की शिकायत डीसीपी दक्षिणी से की। फिलहाल डीसीपी के आदेश पर सरोजनी नगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लि. के निदेशक सुशील कुमार से हुई। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने 12 ई-रिक्शा देने के नाम पर 18.50 लाख रुपये बैंक के माध्यम से ले लिए, लेकिन इसके बदले केवल 8 ई-रिक्शा भी बिना बैटरी के भेजे। जब पीड़ित ने इस पर आपत्ति जताई तो आरोपी ने सभी ई-रिक्शा वापस मंगवाकर पूरा पैसा लौटाने का आश्वासन दिया। आरोप है कि विश्वास दिलाने के लिए उसने 18.50 लाख रुपये का चेक भी दिया, लेकिन जनवरी 2025 में बैंक में लगाने पर चेक बाउंस हो गया। पीड़ित का आरोप है कि पैसे मांगने पर आरोपी ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित अपने व्यापार स्थल से फोन कर जान से मारने की धमकी दी। तब परेशान होकर पीड़ित ह्नपारस एजेंसीह्व नाम से ई-रिक्शा खरीद-फरोख्त का कारोबार शुरू किया था। इसी दौरान उनकी मुलाकात सरोजनी नगर में कानपुर रोड के मेट्रो हाईट स्थित 247 हाई मैक्स मोटर्स प्रा.

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी की पुण्यतिथि पर उप मुख्यमंत्री ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि दिनकर जी केवल एक महान कवि ही नहीं, बल्कि राष्ट्रचेतना के प्रखर स्वर और भारतीय संस्कृति के सशक्त प्रतिनिधि थे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' एवं 'पद्म भूषण' से सम्मानित दिनकर जी की ओजस्वी वाणी ने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में देशवासियों के भीतर आत्मगौरव, साहस और देशभक्ति की अलख जगाई। उनकी कविताओं में वीर रस, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है, जो आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने दिनकर जी की प्रसिद्ध पंक्तियों–

'जला अस्थियां बारी-बारी,
चिटकाई जिनमें चिनगारी,
जो चढ़ गये पुण्य-वेदी पर, लिए
बिना गर्दन का मोल,

कलम, आज उनकी जय बोल।' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कविता हमारे अमर शहीदों के त्याग और बलिदान का सजीव चित्रण करती है तथा प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को प्रबल करती है। श्री मौर्य ने कहा कि दिनकर जी के क्रांतिदर्शी विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उनकी रचनाएं न केवल साहित्यिक धरोहर हैं, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण के मार्ग में प्रेरणा का स्रोत भी हैं। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे दिनकर जी के आदर्शों और विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र की उन्नति और समाज के समग्र विकास में अपना सक्रिय योगदान दें।

महिला प्रधान ने बदली गांव की तस्वीर, बनीं विकास की नायिका

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजधानी की ग्राम पंचायतों से एक सकारात्मक और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है, जहां महिला प्रधान ने अपने नेतृत्व और दूरदर्शिता से विकास की नई इबारत लिख दी है। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक, हर वर्ग के जीवन में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, स्वच्छता और स्वावलंबन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर महिला शक्ति ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी अब गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में

प्रधान – संयोगिता सिंह चौहान

अहम भूमिका निभा रही है। लखनऊ की कई ग्राम पंचायतों में महिला प्रधानों ने अपने कार्यों से यह साबित कर दिया है कि यदि नेतृत्व सशक्त हो तो जमीनी स्तर पर भी बड़ा बदलाव संभव है।

इसी कड़ी में माल ब्लॉक की अटारी पंचायत की ग्राम प्रधान संयोगिता सिंह चौहान एक मिसाल बनकर उभरी हैं। उन्होंने मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी छोड़कर गांव की सेवा का मार्ग चुना और अपने कॉर्पोरेट अनुभव को विकास कार्यों में उतार दिया। प्रधानी संभालने के समय अटारी गांव में जर्जर पंचायत भवन, टूटी-फूटी सड़कें, आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण और अव्यवस्थित व्यवस्थाएं आम थीं।

संयोगिता ने योजनाबद्ध तरीके से गांव का कायाकल्प किया। पंचायत भवन को आधुनिक स्वरूप देते हुए उसे कॉर्पोरेट कार्यालय जैसी सुविधाओं से लैस किया गया, जिसमें पुस्तकालय, सोलर पैनल और वाई-फाई जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण और 'हर घर नल' योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर गांव को मॉडल पंचायत के रूप में विकसित किया गया।

उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए पंचायत को मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। संयोगिता सिंह चौहान की यह पहल न केवल अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा बन रही है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि समर्पण और सही सोच के साथ गांवों की तस्वीर बदली जा सकती है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर ऐसी महिला प्रधानों की उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो विकास की रफ्तार और दिशा दोनों बदल जाती हैं।

बीजेपी विपक्ष को तोड़ रही है : लोकदल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लोकदल के अध्यक्ष सुनील सिंह ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि आम आदमी पार्टी में बिखराव और नेताओं का बीजेपी में जाना कोई सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह साफ दिखाता है कि आज देश में डर, दबाव और सत्ता का खेल खुलेआम चल रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लोकतंत्र को मजबूत नहीं, बल्कि विपक्ष को तोड़ने की राजनीति कर रही है। जनता ने जिन नेताओं को एक विचारधारा और पार्टी के नाम पर चुना। वहीं, नेता सत्ता के लालच में या दबाव में आकर पाला बदल रहे हैं, यह सीधेसी धे जनादेश का अपमान है। यह डराओ, झुकाओ और शामिल करो की नीति देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

संक्षेप

पांच लोगों पर दर्ज हुआ मारपीट का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के गणेशी खेड़ा निवासी शिव प्रकाश सिंह पुत्र चंद्रिका बक्स सिंह ने थाने में प्रार्थनापत्र देकर गांव के ही पांच लोगों के विरुद्ध गाली गलौज , मारपीट धमकी देने का आरोप लगाया है। शिव प्रकाश सिंह ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह लाल कुआं ऊंचगांव मार्ग पर धानीखेड़ा में दुकान के ऊपर निर्माण करवा रहे थे ।8 फिट ऊंची दीवाल खड़ी हो गई थी 22 अप्रैल को शाम 8:00 बजे संदीप सिंह , सोनू सिंह पुत्र शिव मूर्ति सिंह ,राजेंद्र सिंह पुत्र बहादुर सिंह ,रघुवीर सिंह उर्फ छोटू चौहान पुत्र राजेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह पुत्र जगरूप सिंह निवासी गणेशी खेड़ा चार पहिया वाहन से आए और छत पर चढ़ कर मेरे सामान को फेंक जान से मारने की धमकी दी। मेरे चिल्लाने पर आसपास के लोगों के आ जाने से पांचों लोग गाड़ी छोड़कर भाग निकले। थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्र ने बताया की मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

युवती हुई लापता मां ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार की चौकी भगवंतनगर के एक गाँव से माँ ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी 22 वर्षीय पुत्री को मंगलवार शुबह 4 बजे गाँव का ही अंशू भगा ले गया है। लड़की को भगाने में अंशू के भाई सन्दीप व सन्दीप की पत्नी नाम अज्ञात भी शामिल है। साथ ही मेरी लड़की दस हजार नगद व कान की झुमकी मंगल सूत्र पावभर की पायल आदि लेकर अंशू के साथ भाग निकली है। माँ द्वारा दी गयी तहरीर में उसकी लड़की को सकुशल बरामद करने की मांग की गई है। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया तहरीर में नामित लोगो पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। लड़की के सकुशल बरामद करने के प्रयास किये जा रहे है।

किशोरी को भगाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अचलगंज नाबालिक किशोरी को बहला फुसला कर अपहृत कर ले जाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। वही किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासिनी सोलह वर्षीय किशोरी को गैर जनपद का युवक बहाल फुसला कर अपहृत कर ले गया था। 22 अप्रैल को किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था । शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी कानपुर के जूही थाना क्षेत्र के परम पुरवा निवासी कामरान अली हाशमी 24 के कब्जे से किशोरी को बरामद करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है ।

परेड से पहले रिहर्सल का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रिजर्व पुलिस लाइन में शुक्रवार को रिक्रूट आरक्षियों की पासिंग आउट (दीक्षांत) परेड से पहले रिहर्सल का आयोजन किया गया। यह रिहर्सल 26 अप्रैल को होने वाली औपचारिक पासिंग आउट परेड की तैयारियों का हिस्सा थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जय प्रकाश सिंह ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं और परेड की गुणवत्ता का निरीक्षण किया।लगभग नौ माह का आधारभूत प्रशिक्षण पूरा कर चुके रिक्रूट आरक्षियों ने इस दौरान मार्च पास्ट, कदमताल और सलामी का प्रदर्शन किया। एसएसपी ने टोलीवार परेड का बारीकी से अवलोकन किया और आरक्षियों के समन्वय, अनुशासन तथा प्रशिक्षण स्तर की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह परेड प्रशिक्षण के समापन के साथ-साथ एक जिम्मेदार पुलिसकर्मी के रूप में नई शुरूआत भी है। रिहर्सल के दौरान सभी रिक्रूट आरक्षियों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। एसएसपी ने अपने संबोधन में उन्हें प्रशिक्षण के दौरान अर्जित अनुशासन, कौशल और कर्तव्यनिष्ठा को वास्तविक जीवन में लागू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पीड़ित केंद्रित पुलिसिंग, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण और आधुनिक तकनीकी दक्षता पर विशेष जोर दिया। एसएसपी ने कहा कि बदलते समय में पुलिसिंग का स्वरूप भी बदल रहा है, ऐसे में संवेदनशीलता और तकनीकी समझ अत्यंत आवश्यक है। एसएसपी ने परेड के सफल आयोजन के लिए सुरक्षा, सजावट, यातायात प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हों।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन विनी सिंह, प्रतिसार निरीक्षक सचिन राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने परेड की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे रिक्रूट्स का उत्साहवर्धन किया।रिहर्सल के सफल आयोजन के बाद अब 26 अप्रैल को होने वाली पासिंग आउट परेड को लेकर उत्साह और तैयारियां चरम पर हैं। यह आयोजन नवनियुक्त आरक्षियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जहां से वे विधिवत पुलिस सेवा में प्रवेश करेंगे।

प्रभारी मंत्री ने विकास कार्यों की विस्तृत की समीक्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पहुंचे प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार दोपहर को जनपद में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने योजनाओं की प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की।उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के बाद, मंत्री धर्मपाल सिंह ने मीडिया से बातचीत में महिला सशक्तिकरण और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी पर भी अपनी बात रखी। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने इस कानून को लागू होने से रोकने के लिए षड्यंत्र रचा और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का प्रयास किया। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पंचायत स्तर पर महिलाओं को पहले से ही आरक्षण प्राप्त है और वे अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर रही हैं। ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष तक महिलाओं की भागीदारी इसका स्पष्ट प्रमाण है।उन्होंने उन्नाव की जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह का उदाहरण देते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी स्वयं निभा रही हैं और उनके साथ कोई परिजन हस्तक्षेप नहीं कर रहा।मंत्री ने अपने पूर्व के एक शासनादेश का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया था कि महिला जनप्रतिनिधियों के पति, भाई या अन्य परिजन आधिकारिक बैठकों में शामिल न हों और न ही उनकी जगह कार्य करें। उन्होंने जोर दिया कि महिला प्रतिनिधियों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वास्तविक सशक्तिकरण हो सके। मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों पर मंत्री ने कहा कि यदि कहीं महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिजनों के नाम सामने आते हैं, तो इस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।अपने संबोधन में मंत्री धर्मपाल सिंह ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर महिला विरोधी मानसिकता रखने का आरोप भी लगाया।

गैस सिलेंडर फटने से महिला की मौत मासूम पुत्र झुलसा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शुक्लागंज स्थित आजाद नगर में गुरुवार देर शाम गैस सिलेंडर फटने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे में उसका पांच वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गया, जबकि पति को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम डायल 112 पर ग्राम ठाकुरखेड़ा, आजाद नगर शुक्लागंज में सिलेंडर फटने की सूचना मिली थी। प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि कमल अपने परिवार के साथ घर में मौजूद था। खाना बनाते समय अचानक सिलेंडर में तेज धमाका हुआ। विस्फोट के कारण कमल की पत्नी अंजना, बेटा कृष्ण (लगभग 5 वर्ष) और स्वयं कमल आग की चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने तीनों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से कानपुर के उसुर्ला अस्पताल पहुंचाया। उसुर्ला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अंजना की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम कृष्ण की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। कमल को मामूली चोटें आई हैं और वह खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और एडीएम सुशील कुमार गोंड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दमकल विभाग विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रहा है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से गैस सिलेंडर का उपयोग करते समय सावधानी बरतने और किसी भी लीकेज या तकनीकी समस्या की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसी को देने की अपील की है।

नारी शक्ति बंदन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा हैजिनका उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान,समानता और उनके अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाना है

इसी कड़ी में कम्पोजिट स्कूल रनियाँमऊ में गीत व संगीत के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को भी इस कार्यक्रम से जोड़ने का प्रयास किया गयो

शिक्षक अमित तिवारी ने बताया इन आयोजनों का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में समान भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जन-जागरूकता फैलाने के लिए पारंपरिक लोकगीतों, भजनों और प्रेरक गीतों का उपयोग किया जा रहा है। ये गीत महिलाओं के सम्मान, राजनीतिक भागीदारी, और आत्मनिर्भरता को रेखांकित करते हैं।इस दौरान रकोमल है कमजोर नहीं तू,शक्ति का नाम ही नारी हैजग को जीवन देने वाली मौत भी तुझे हारी है जैसे गीत गूंजते रहे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने का संकल्प लिय कार्यक्रम में अमित तिवारी, संतोषी देवी, पूनम देवी, रामा देवी,सरोजनी देवी, हेमामालिनी, सुदेवी,राधा देवी, ज्योति, रमाकांती,देवेन्द्र त्रिपाठी, कृपा शंकर आदि उपस्थित रहे

हाईस्कूल व इंटर मीडिएट परीक्षा में जनपद में स्थान पाने वाली छात्राओं को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। गुरुवार को घोषित यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में इंटरमीडिएट में जनपद में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली श्रेया शर्मा तथा हाईस्कूल में दूसरा स्थान हासिल करने वाली मनू यादव को शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता व शिक्षकों ने दोनों मेधावी छात्राओं और उनके अभिभावकों को सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि श्रेया के पिता प्रदीप शर्मा प्राथमिक विद्यालय अमानखेड़ा में कार्यरत हैं, जबकि मनू यादव की माता मधु देवी प्राथमिक विद्यालय टेढ़ा में शिक्षामित्र हैं।दोनों छात्राओं की प्रारंभिक शिक्षा परिषदीय विद्यालयों से शुरू हुई और अपनी मेहनत व लगन के बल पर उन्होंने पतिराजा इंटर कॉलेज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में विश्वनाथ सिंह, गंगा प्रसाद पटेल, प्रदीप शर्मा, मधु देवी, पवन सिंह, संदीप शुक्ला, मनीष सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

गंगा नदी में कूद कर युवक ने किया जान देने का प्रयास

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को एक युवक ने नए गंगा पुल से नदी में कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया और युवक की जान बचा ली गई।

जानकारी के अनुसार, युवक नए पुल पर संदिग्ध अवस्था में खड़ा था। अचानक वह रेलिंग के पास जाकर गंगा नदी में कूदने की कोशिश करने लगा। यह देख वहां से गुजर रहे राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया और नीचे कूदने से रोक लिया।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम अमन बताया। उसने कहा कि वह अपनी पत्नी से परेशान होकर यह कदम उठाने जा रहा था। युवक ने बताया कि वह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गांधी नगर में ब्राइट केरियर स्कूल के पास का निवासी है। लोगों ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को अपने साथ थाने ले गई। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने युवक को समझाने-बुझाने के साथ ही उसके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, ताकि उसे सुरक्षित उसके परिवार के सुपुर्द किया जा सके। घटना के दौरान पुल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई। राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, पुलिस के पहुंचने के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और यातायात को सुचारु कराया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ से घर वापस लौट रहे युवक को संडीला चकलवंशी मार्ग पर कस्बा औरास में संचालित धर्म कांटा के पास किसी अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी।हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दूसरे दिन मौत हो गई।मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। औरास थाना क्षेत्र के सीमऊ गांव निवासी मनोज (31) पुत्र हरिनाम बुधवार को अपने मामा के घर लखनऊ गया था। गुरुवार शाम को वह अकेले ही लखनऊ से घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह संडीला चकलवंशी मार्ग पर औरास में धर्म कांटा के पास पहुंचा ही था । कि इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में सामने से टक्कर मारकर भाग गया।सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से उसे स्थानीय सीएचसी पहुंचाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे चिकित्सकों ने गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।लखनऊ के ट्रामा सेंटर में शुक्रवार भोर पहर लगभग 2 बजे इलाज के दौरान मनोज की मौत हो गई।मौत की खबर घर पहुंचते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकता मिला विवाहिता का शव

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गाँव बिछिया में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में दुपट्टे को मौत का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गयी।सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव पीएम को भेजा। कोतवाली क्षेत्र के बिछिया गांव निवासी राजेन्द्र विश्वकर्मा की 30 वर्षीय विवाहिता बेटी दीक्षा की शादी 13 अप्रैल 2025 को अचलगंज थाना क्षेत्र के रावल गांव निवासी नमन विश्वकर्मा से हुई थी। दीक्षा एमए की छात्रा थी जो कि ससुराल से करीब 10 दिन पूर्व बिछिया अपने मायके आई थी। जिसका सकरन गांव के डिग्री कॉलेज में एमए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा देने आई थी। गुरुवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में घर के कमरे में लगे पंखे में दुपट्टे को मौत का फंदा बनाकर फांसी पर झूल गयी। बेटी को कमरे में फंदे से लटकता देख पिता सन्न रह गया। परिजन निजी वाहन से आनन फानन बिछिया अस्पताल लेकर पहुँचे जहाँ डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिछिया अस्पताल से पुरवा थाने में घटना की प्राप्त सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पीएम को भेज दिया है। परिजन मौत का कारण स्पस्ट नही कर सके। कोतवाल भवन सिंह मौर्य ने बताया कि शव पीएम को भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दो बसों की भिड़ंत में एक की मौत, आधा दर्जन यात्री घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। चालक को झपकी लगने से अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जाकर पलटी डी सी एम से एक बस टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हुई इसी दौरान पीछे से आकर दूसरी बस भी भिड़ गई हादसे में बस सवार एक की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हुए।पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम भेज दिया गया तथा घायलों को स्थानीय सी एच सी से रेफर कर दिया गया।डी सी एम चालक अवधेश पुत्र मुन्नालाल निवासी ककरइया नादेमऊ थाना सौरिख जनपद कन्नौज जो एक डी सी एम में पार्सल का सामान लोडकर दिल्ली से बस्ती जा रहा था तभी शुक्रवार की अलसुबह रात करीब 1 बजे बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गांव देवरखेडा के निकट चालक को झपकी लगने से वह अनियंत्रित होकर मध्य डिवाइडर पारकर विपरीत लेन के मार्ग पर जाकर पलट गया इसी दौरान एक जिंक बस सेवा की एक बस जो सवारियां लेकर लखनऊ से दिल्ली जा रही थी पलटे डी सी एम से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई इसी दौरान गोरखपुर से जयपुर जाने वाली एक दूसरी बस भी पहले की क्षतिग्रस्त बस में पीछे से आकर टकरा गई।इस हादसे के बाद यूपीडा रेस्क्यू दल द्वारा एक बस अन्सी राजश्री नामक कंपनी की बस के चालक रामचंद्र उर्फ रामसुंदर पुत्र हरिकिशन ,दूसरी जिंक बस सेवा के चालक सुरेश चंद पुत्र ताराचंद निवासी गोधरा कला जनपद झुंझुनू राजस्थान व सवारी के रूप में बैठे सुशील पुत्र धर्मु निवासी आजम गढ़,रवि कुमार पुत्र शेर सिंह निवासी करौली राजस्थान,नागेन्द्र प्रसाद पुत्र ओसियर निवासी पटहेरवा जनपद कुशीनगर,मैनुद्दीन पुत्र मुस्तकीम निवासी तरकुलवा जनपद देवरिया व राकेश पुत्र बहादुर सिंह निवासी गोमती नगर लखनऊ इन सात लोगों को बांगरमऊ अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया ।जहां पर डाक्टरों ने बस सवार राकेश पुत्र बहादुर सिंह निवासी गोमती नगर (मूल निवासी उत्तराखंड)को मृत घोषित कर दिया गया।पुलिस ने परिजनों को सूचित कर शव पोस्टमार्टम भेज दिया गया।जबकि गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर सी ओ संतोष सिंह,कोतवाल अखिलेश चंद पांडेय सहित अन्य पुलिस बल घटनास्थल पहुंचा तथा हादसे के रेस्क्यू में सहयोग किया।

डी सी एम पलटते ही धड़ाधड़ तीन वाहन टकराने से घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई तथा बस पर सवार सवारियों में चीखपुकार मच गई गनीमत रही डी सी एम पलटने के बाद चालक बाहर निकल आया जिससे वह बाल बाल बचा रहा।

रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत दो पक्षों में जाति सूचक गाली गलौज के साथ मारपीट करने के पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव ताजकपुर निवासी प्रदीप कुमार पिछले शुक्रवार दोपहर पूर्व प्रधान चंद्रिका प्रसाद के दरवाजे संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठे थे तभी पुरानी रंजिश के चलते गांव के रामबहादुर पुत्र बाबूलाल, रवी पुत्र बाबूलाल एंव आशीष पुत्र रामबहादुर जाति सूचक गालियो के साथ लोहे की सरिया एंव लाठी डण्डो से हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। लोगो के बीच बचाव करने पर उक्त लोग जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया तहरीर के आधार पर जातिसूचक शब्दो के प्रयोग के साथ अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मामूली विवाद पर पड़ोसी ने की मारपीट

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के गांव बैदरा निवासी जगन्नाथ सिंह ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि सड़क पर खड़ी बोलेरो को किनारे करने कि बात पर पड़ोसी ने उसे तथा पत्नी के साथ घर में घुसकर मारपीट की। थाने में प्रार्थना पत्र देखकर जगन्नाथ सिंह ने बताया कि 21 अप्रैल को वह खेत से भूसा लेकर शाम 6:00 बजे अपने घर आया। घर के सामने ही पड़ोसी अमरनाथ सिंह पुत्र बद्री सिंह की बोलोरो खड़ी थी गाड़ी किनारे खड़ी करने की बात कहने पर अमरनाथ सिंह गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे।अमरनाथ के पुत्र हिमांशु सिंह एवं श्रेय सिंह भी आकर मारपीट करने लगे।घर में घुसकर मेरी पत्नी व मेरे साथ मारपीट की। थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है मामले की जांच की जा रही है।

मवेशी से टकरा कर बाइक सवार दो घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात अलग अलग मार्ग पर मवेशी से टकरा कर बाइक सवार दो युवक गभींर रुप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना क्षेत्र के खान पुर पीर अली गांव निवासी सूबेदार पुत्र नारायण गुरुवार की शाम आसीवन चौराहा किसी काम से आया था जहां से वह देर रात वापस लौट रहा था इसी बीच कादिर पुर नेवादा सम्पर्क मार्ग पर अचानक मवेशी सामने आ गया जिससे बाइक टकरा गयी और युवक घायल हो गया सूचना पर चचेरा भाई बुद्धी लाल मौके पर पहुंचा और इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया वहीं दूसरी घटना मियागंज संडीला मार्ग पर कस्बा हैदराबाद के पास गौरा कला गांव निवासी संतोष पुत्र पीताम्बर गुरुवार की देर रात मियागंज चौराहे से वापस लौट रहा था इसी बीच कुत्ता आ गया जिससे बाइक टकरा गयी और सडक किनारे पलट जाने से युवक गभींर रुप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सम्पादकीय

सुरक्षा के लिए संतुलित रणनीति बेहद जरूरी

पहलगाम हमले की पहली बरसी केवल एक दर्दनाक स्मृति नहीं, बल्कि सुरक्षा नीति की गंभीर परीक्षा भी है। 22 अप्रैल 2025 को बैसरन घाटी में हुई आतंकी वारदात ने देश को झकझोर दिया था।एक साल बाद हालात अपेक्षाकृत शांत हैं, लेकिन असली चुनौती इस शांति को स्थायी सुरक्षा और सामान्य जीवन में बदलने की है। इस हमले को एक साल बीत चुका है। इस अवधि में एक-दो वारदात को छोड़ दें तो घाटी शांत ही रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि उन इलाकों को भी खोल दिया जाए जो पहलगाम हमले के बाद बंद किए गए थे। चूंकि ये लोगों की आजीविका का जरिया हैं। बदलते कश्मीर में अब लोगों में मुख्यधारा से जुड़ने की ललक है। ऐसे में सरकार और खुफिया एजेंसियों को भी चाहिए कि वे लोगों को सुरक्षित महसूस करवाएं। बलों की तैनाती इस तरह से हो कि गलत मंसूबे लेकर आने वाले हमले जैसी वारदातों की हिमाकत न करें। अब जरूरी है कि सरकार सुरक्षा और शांति के लिए एक संतुलित रणनीति बनाए। केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं, देश के अन्य भागों में भी व्यापक सतर्कता जरूरी है। सुरक्षा किसी भी संवेदनशील क्षेत्र की पहली जरूरत होती है, खासकर जम्मू-कश्मीर जैसे इलाके में। बीते एक साल में सुरक्षा एजेंसियों और सेना ने सतर्कता बनाए रखते हुए बड़े हमलों को रोकने में सफलता पाई है। यह दिखाता है कि मजबूत सुरक्षा तंत्र ही शांति की बुनियाद बन सकता है। यह भी उतना ही जरूरी है कि सुरक्षा के नाम पर आम नागरिकों के जीवन और रोजगार पर अनावश्यक प्रतिबंध न लगे। बैसरन घाटी जैसे इलाकों का लंबे समय तक बंद रहना स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल रहा है। पर्यटकों की संख्या पहले ही 30-40% तक घट चुकी है, जिससे लोगों में नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चरणबद्ध तरीके से इन क्षेत्रों को फिर से खोला जाए। संतुलित रणनीति का मतलब यही है कि सुरक्षा "दिखे भी" और "भरोसा भी दे"। इसके लिए आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र की मजबूती, स्थानीय लोगों की भागीदारी और सीमित, लेकिन प्रभावी बल तैनाती जरूरी है। ऐसा माहौल बनाना होगा, जिसमें पर्यटक बिना डर के आएं और स्थानीय लोग खुद को सुरक्षित महसूस करें। देश के अन्य हिस्सों में भी सुरक्षा को लेकर लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। हाल ही में राजस्थान की एक रिफाइनरी में लगी आग की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। यदि इसमें किसी साजिश के संकेत मिलते हैं, तो यह साफ है कि खतरे का दायरा व्यापक है। और यदि यह हादसा है, तब भी सुरक्षा मानकों की समीक्षा जरूरी हो जाती है। किसी भी रूप में देश को नुकसान पहुंचाने वाली घटनाएं सुरक्षा तंत्र के लिए चेतावनी हैं। आतंकवाद के खिलाफ सख्ती जरूरी है, लेकिन इसका उद्देश्य केवल खतरे को खत्म करना नहीं, बल्कि सामान्य जीवन को बहाल करना भी होना चाहिए। जिस तरह नक्सलवाद के खिलाफ रणनीतिक और बहुआयामी प्रयास किए गए, उसी तरह आतंक के खिलाफ भी सुरक्षा, विकास और विश्वास तीनों को साथ लेकर चलना होगा। भारतीय सेना का संदेश "भारत कुछ नहीं भूला" यह स्पष्ट करता है कि सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। पहलगाम की यह बरसी याद दिलाती है कि मजबूत सुरक्षा और सामान्य जीवन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। सही रणनीति वही होगी, जो दोनों को साथ लेकर चले, तभी देश सुरक्षित भी होगा और सच में सामान्य भी।

मुद्दा

मनीष कुमार चौधरी

भारत में क्यों जरूरी है परिसीमन

महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण व लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के लिए केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संविधान (131वां) संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित नहीं हो पाया। भले ही विधेयक पारित न हो पाया हो, परंतु परिसीमन से जुड़े मुद्दों की प्रासंगिकता अब भी बरकरार है। भारत का लोकतंत्र विशाल आकार और विविधता के लिए जाना जाता रहा है। फिर भी प्रतिनिधित्व की मूल संरचना दशकों से काफी हद तक स्थिर बनी हुई है। लोकसभा का आगामी परिसीमन, जिसके 2029 के आम चुनावों को आकार देने की उम्मीद है, उस संतुलन को गहरे स्तर पर बदलने की क्षमता रखता है। यूं देखा जाए तो परिसीमन एक तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया ही है और अपने मूल रूप में परिसीमन का उद्देश्य राजनीतिक प्रतिनिधित्व को जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना है। दशकों से भारत सीटों की एक निर्धारित संख्या के साथ ही काम करता रहा है, जबकि इस दौरान उसकी जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई है।

संवैधानिक रूप से प्रत्येक दशक के बाद जनसंख्या जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्वितरण अनिवार्य था। पुनर्वितरण अंतिम बार 1971 की जनगणना के बाद ही किया गया था। देश में जनसंख्या नियंत्रण उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार सरकारों ने सीटों के पुनर्वितरण को रोक दिया। वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में प्रत्येक राज्य के भीतर जनसंख्या को सामान्य करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से तैयार किया गया था, लेकिन इस अभ्यास ने प्रत्येक राज्य को आवंटित निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया। 1971 के बाद से भारत की जनसंख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। लेकिन यह वृद्धि पूरे देश में समान रूप से नहीं हुई है। असमान वृद्धि इसलिए हुई, क्योंकि दक्षिणी राज्य अपनी प्रजनन दर को तेजी से नीचे लाने में सक्षम रहे। उत्तरी राज्यों का जनसंख्या हिस्सा 43 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि दक्षिणी राज्यों का हिस्सा 1971 और 2026 के बीच 25 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो गया है। इससे यह आशंका उठ खड़ी हुई है कि पूरी तरह से जनसंख्या के आधार पर संसद की सीटों का पुनर्वितरण करने से दक्षिणी राज्य संसद में अपनी सीटों का हिस्सा खो देंगे, जबकि यह तकनीकी रूप से देशभर में प्रतिनिधित्व को निष्पक्ष बना देगा, खासकर कम प्रतिनिधित्व वाले उत्तरी राज्यों के लिए। उदाहरण के लिए, केरल का एक सांसद लगभग 18 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं राजस्थान का सांसद करीब 33 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। दक्षिणी राजनीतिक दलों की चिंता इसी को लेकर है। उन्हें डर है कि इससे उत्तरी राज्यों को अधिक शक्ति मिलेगी, जो न केवल भारतीय जनता पार्टी के गढ़ हैं, बल्कि हिंदी-बेल्ट या हिंदी भाषी क्षेत्र के रूप में भी लोकप्रिय हैं। उनका मानना है कि पुनः आवंटन योजना से उन्हें अच्छी नीतियों और शासन के लिए दंडित किया जाएगा, जबकि उत्तरी राज्यों को पुरस्कृत किया जाएगा, जहां जनसंख्या वृद्धि काफी हद तक अनियंत्रित रही है। वर्ष 1952 में जब देश में पहली बार लोकसभा चुनाव हुए, तब संसद में 489

सीटें थीं और आबादी थी करीब 36 करोड़। आज आबादी 140 करोड़ पार कर चुकी है, लेकिन पिछले 50 साल से सीटें 543 पर जमी हैं। इसका एक स्वाभाविक परिणाम सामने आया है- सीमित सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा। इसका लाभ उन लोगों को मिलता है जिनके पास पहले से ही राजनीतिक पूंजी मौजूद है, जैसे नाम की पहचान, सांगठनिक समर्थन या वंशानुगत पृष्ठभूमि। सीटों की संख्या में विस्तार केवल सीटों की संख्या नहीं बढ़ाता, बल्कि यह चुनावी क्षेत्र में प्रवेश की बाधाओं को भी कम करता है। एक विशाल संसद उन नए चेहरों के लिए जगह बनाती है, जो अन्यथा हाशिए पर ही रह जाते। भारतीय राजनीति में समय के साथ स्थिरता के कुछ क्षेत्र बन गए हैं, ऐसे निर्वाचन क्षेत्र कुछ खास व्यक्तियों, परिवारों या पार्टियों के लिए 'सुरक्षित सीटों' के तौर पर काम करते हैं। परिसीमन इस जड़ व्यवस्था पर चोट करता है। जब सीमाएं बदलती हैं, तो मतदाताओं की बनावट भी बदल जाती है।

कोई ऐसा निर्वाचन क्षेत्र, जो कभी किसी खास जातिगत समीकरण, सामुदायिक जुड़ाव या राजनीतिक नैरेटिव के पक्ष में रहा हो, हो सकता है कि अब वैसा न रहे। देश तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2029 तक भारत के मतदाताओं की बनावट आज या कुछ बरस पहले से काफी अलग होगी। जैसे-जैसे शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नए निर्वाचन क्षेत्र उभरेंगे, उनके भीतर चुनावी प्रतिस्पर्धा का स्वरूप भी बदलेगा। जब मुकाबले का ढांचा बदलता है, तो पार्टियों को भी उसके हिसाब से ढलना पड़ता है, वरना उनके अप्रासंगिक हो जाने का खतरा रहता है।

इस तरह का बदलाव सिर्फ ऊपरी तौर पर नहीं होता। प्रतिनिधित्व में आया पीढ़ीगत बदलाव स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विमर्श में भी बदलाव लाता है। जैसे-जैसे संसद में उनकी मौजूदगी बढ़ती जाएगी, राजनीतिक बहसों का समग्र स्वरूप भी बदल सकता है। इस तरह परिसीमन के आधार पर गठित 2029 की संसद भारत के भविष्य को लेकर एक ज्यादा जटिल और प्रगतिशील संवाद को दर्शा सकती है। हमें यह समझना भी बेहद जरूरी है कि परिसीमन कोई आसान सुधार नहीं है। इसके साथ कई किंतु-परंतु और राजनीतिक डर व आशंकाएं जुड़ी हैं। जो राज्य जनसंख्या वृद्धि को स्थिर करने में सफल रहे हैं, उन्हें अब राजनीतिक रूप से हाशिए पर जाने का डर है, जबकि तेजी से जनसंख्या बढ़ने वाले राज्य यह तर्क देते हैं कि प्रतिनिधित्व को वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाना चाहिए। राज्यों के बीच एक नैतिक मुकाबला मानने से एक संरचनात्मक संवैधानिक मुद्दे को राजनीतिक शिकायत में बदलने का जोखिम है। संसदीय सीटों का पूरी तरह से जनसंख्या-आधारित पुनर्वितरण संख्यात्मक समानता को संतुष्ट कर सकता है, लेकिन यह संघीय संतुलन को भी बिगाड़ सकता है। चुनौती यह नहीं है कि परिसीमन होना चाहिए या नहीं, बल्कि इसके गुणावगुण प्रभावों का संतुलन कैसे साधा जाए, इस बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। भारत के इतिहास में परिसीमन को इसकी राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण बार-बार टाला गया है। इस तरह के सुधार को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है जो तात्कालिक चुनावी हितों से कहीं आगे की सोच रखती हो। परिसीमन को केवल नक्शों को फिर से बनाने की प्रक्रिया के रूप में देखना इसके व्यापक महत्व को नजरअंदाज करना होगा। असल में यह लोकतांत्रिक चुनावी मैदान का एक पुनर्समायोजन है। लोकतंत्र सिर्फ गणित नहीं होता। जब मतदाता वर्ग स्वयं बदल रहा हो, तो उसके साथ कदम मिलाकर चलने के लिए प्रतिनिधित्व को भी विकसित होना पड़ता है।

विश्व पृथ्वी दिवस

रोहित कौशिक

हमारी समझदारी से ही बच सकेगी पृथ्वी

एक नए अध्ययन में बताया गया है कि महासागरों के तेजी से गर्म होने के कारण मौसम के चक्र में बदलाव का अनुमान है। वर्तमान में हिंद महासागर और इसके आसपास के देश वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं के सबसे अधिक खतरे वाले क्षेत्र के रूप में उभरे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज पृथ्वी को बचाने के लिए भाषणबाजी तो बहुत होती है, लेकिन धरातल पर काम नहीं हो पाता है। यही कारण है कि पर्यावरण की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इस दौर में जिस तरह से मौसम का चक्र बिगड़ रहा है, वह हम सबके साथ-साथ समाज के उस वर्ग के लिए भी चिन्ता का विषय है जो ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करने को एक फैशन मानने लगा था। दरअसल इन दिनों सम्पूर्ण विश्व में पृथ्वी और पर्यावरण बचाने के नारे जोर-शोर से सुने जा सकते हैं, लेकिन जब नारे लगाने वाले ही इस अभियान की हवा निकालने में लगे हुए हों तो पृथ्वी और पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने तय हैं। आज विभिन्न देशों में अनेक मंचों से जो पर्यावरण बचाओ आन्दोलन चलाया जा रहा है, उसमें एक अजीब विरोधाभास दिखाई दे रहा है। पर्यावरण सभी बचाना चाहते हैं, लेकिन अपने त्याग की कीमत पर नहीं बल्कि दूसरों के त्याग की कीमत पर। स्थायी विकास एग्रीन इकोनॉमी और पर्यावरण सम्बन्धी विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा जरूरी है, लेकिन इसका फायदा तभी होगा, जब हम व्यापक दृष्टि से सभी देशों के हितों पर ध्यान देंगे। गौरतलब है कि ग्रीन इकोनॉमी के तहत पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सभी वर्गों की तरक्की वाली अर्थव्यवस्था का निर्माण करना शामिल है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हरित अर्थव्यवस्था के उद्देश्यों के क्रियान्वयन के लिए विकसित देश विकासशील देशों की अपेक्षित सहायता नहीं करते हैं। स्पष्ट है कि विकसित देशों की हठधर्मिता की वजह से पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर कोई स्पष्ट नीति नहीं बन पाती है। दरअसल इस दौर में पर्यावरण की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। हालात यह है कि मौसम का समस्त चक्र भी अनियमित हो गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मौसम की यह अनिश्चितता और तापमान का उतार-चढ़ाव जलवायु परिवर्तन के कारण है। जलवायु परिवर्तन के कारण एक ही ऋतु में किसी एक जगह पर ही मौसम में उतार-चढ़ाव या परिवर्तन हो सकता है। वास्तव में हम पिछले अनेक दशकों से भ्रम में ही जी रहे हैं। यही कारण है कि पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के बारे में सोचने की फुर्सत किसी को नहीं है। पुराने जमाने में पर्यावरण के हर अवयव को भगवान का दर्जा दिया जाता था। इसीलिए हम पर्यावरण के हर अवयव की इज्जत करना जानते थे। नए जमाने में पर्यावरण के अवयव वस्तु के तौर पर देखे जाने लगे और हम इन्हें मात्र भोग की वस्तु मानने लगे। उदारीकरण की आंधी ने तो हमारे समस्त ताने-बाने को ही नष्ट कर दिया। इस प्रक्रिया ने पर्यावरण के अनुकूल समझ विकसित करने में बाधा पहुंचाई। यह समझ विकसित करने के लिए एक बार फिर हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें यह मानना होगा कि जलवायु परिवर्तन की यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या देश के सुधरने से हल होने वाली नहीं है। पर्यावरण की कोई ऐसी परिधि नहीं होती है कि एक जगह प्राकृतिक संसाधनों का दोहन या प्रदूषण होने से उसका प्रभाव दूसरी जगह न पड़े। इसीलिए इस समय सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण के प्रति चिन्ता देखी जा रही है। हालांकि इस चिन्ता में खोखले आदर्शवाद से लिपटे हुए नारे भी शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन पर होने वाले सम्मेलनों में हम इस तरह के नारे अक्सर सुनते रहते हैं। सवाल यह है कि क्या खोखले आदर्शवाद से जलवायु परिवर्तन का मुद्दा हल हो सकता है। यह सही है कि ऐसे सम्मेलनों के माध्यम से विभिन्न बिन्दुओं पर सार्थक चर्चा होती है और कई बार कुछ नई बातें भी निकलकर सामने आती हैं। यदि विकसित देश एक ही लीक पर चलते हुए केवल अपने स्वार्थों को तरजीह देने लगें तो जलवायु परिवर्तन पर उनकी बड़ी-बड़ी बातें बेमानी लगने लगती हैं। दरअसल जब हम प्रकृति का सम्मान नहीं करते हैं तो वह प्रत्यक्ष रूप से तो हमें हानि पहुंचाती ही है, परोक्ष रूप से भी हमारे सामने कई समस्याएं खडी करती है।

हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है

संकलित

दर्शन

परिवार में कोई बीमार हो तो दूसरे व्यक्ति के शरीर पर भी असर होता है। अगर बच्चों का विवाह नहीं हुआ है, अच्छा लड़का या लड़की नहीं मिली है, पढ़ाई ठीक से नहीं कर पाए हैं तो इन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। हमें वैराग लेकर भगवान को नहीं पाना है। बल्कि हम जहां हैं, वहां रहकर भगवान को ऊपर से नीचे उतारना है। भगवान उतरते हैं। दशरथ के घर उतरे हैं, वासुदेव की जेल में उतरे हैं। हम वैराग लेकर उन्हें ऊपर खोजने जाएं, यह भी एक गति है, लेकिन क्यों न हम एक एक पारिवारिक दायित्व पूरा करते-करते उन्हें नीचे बुला लें। हम नरसिंह मेहता नही है। हम मीरा और भर्तृहरि नहीं हैं। मनु और शतरूपा ने वैराग का पथ लिया तो भी परिवारिक दायित्व को पूरा किया। भजन का मतलब यह नहीं कि आप सबको नजरअंदाज करें, सबकी उपेक्षा करें। भजन में पारिवारिक स्वास्थ्य आवश्यक है। आत्मा की तंदुरुस्ती के विषय में मैं खुलासा कर दूं कि आत्मा बीमार नहीं है। मन बीमार हो सकता है, आत्मा कहां बीमार होती है। जैसे सूरज तंदुरुस्त है, लेकिन बादल से आवृत्त होने पर सूरज दिखना बंद हो जाता है। वैसे ही स्थिति हमारी आत्मा की है। जैन परंपरा कहती है कि आत्मा पर कई तरह के कशाय के बादल छा जाते हैं। इसी रूप में आत्मा अस्वस्थ नहीं हो सकती। आत्मा बूढ़ी नहीं हो सकती। शरीर जन्म लेता है, आत्मा जन्म नहीं लेती। ये तो सीधी-सी बात है।

मानव धर्म ही सर्वोपरि

संकलित

प्रेरणा

एक राजा था। उसने एक सपना देखा। सपने में उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था कि, बेटा! कल रात को तुम्हें एक विषैला सांप काटेगा और उसके काटने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह तुमसे पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। सुबह हुई। राजा सोकर उठा। और सपने की बात को लेकर विचार करने लगा। सोचते- सोचते राजा इस निर्णय पर पहुंचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। उसने सर्प के साथ मधुर व्यवहार करके उसका मन बदल देने का निश्चय किया। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। उधर समय से कुछ देर बाद सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। सांप ने राजा से कहा, राजन! मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं।

अंतर्मन

आज की पाती

भीषण गर्मी का प्रकोप, तपते शहर

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है, हवा में तपिश घुली हुई है और दोपहर का समय तो जैसे आग उगलता प्रतीत होता है। हालात ऐसे हैं कि लोग जरूरी कामों के अलावा घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं, वे छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही बाहर कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग इस भीषण गर्मी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार यह तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक है, जिससे गर्मी की तीव्रता और भी अधिक महसूस हो रही है। – *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

कांग्रेस का असली चेहरा

जब कांग्रेस पार्टी मुद्दे पर फिर जाती है, तो उसके नेताओं की भाषा उनका असली चेहरा उजागर कर देती है। प्रधानमंत्री के विरुद्ध अपशब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि विपक्ष के पास न कोई नीति है, न संकल्प।
-शिवराज सिंह चौहान, कृषिमंत्री

मासूम की जागरूकता

एक आठ वर्षीय मासूम बच्ची की जागरूकता ने 1098 पर एक कॉल करके बाल विवाह को रोक दिया और एक बच्ची का बचपन बचा लिया। एक सही कदम बड़ा बदलाव ला सकता है। बाल विवाह एक अपराध है: सतर्क रहें, 1098 का उपयोग करें।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

'मुन्ना' का निधन दुःखद

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना' के निधन की खबर अत्यंत दुःखद है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और कांग्रेस पार्टी के मूल्यों के लिए समर्पित कर दिया। दुख की इस घड़ी में, मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ममता को भय का सहारा

एनडीए 20 राज्यों में सत्ता में है, लेकिन कहीं भी किसी के बोलने, खाने या पूजा करने पर प्रतिबंध नहीं है। ममता बनर्जी पिछले 15 वर्षों में कोई उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई हैं, इसलिए वे भय, भ्रम और अफवाहें फैलाने का सहारा ले रही हैं।
-अनुराग ठाकुर, सांसद, भाजपा

करंट अफेयर

घर के आंगन में उतरा हॉट बलून, 13 लोग थे सवार

दक्षिणी कैलिफोर्निया में एक हॉट एयर बलून को आपात स्थिति में एक घर के परिसर में उतारना पड़ा, जिसमें 13 लोग सवार थे। यह घटना शनिवार को हुई जब एक विशाल हॉट एयर बलून, जिसमें पायलट और यात्री सवार थे, टेमेकुला के एक घर की संकरी घास वाली पट्टी पर बिल्कुल सही तरीके से उतारा गया। घर के मालिक हंटर पेरिन के मुताबिक उन्हें इन मेहमानों के आने की सूचना तब मिली जब एक पड़ोसी ने इसकी जानकारी दी। पेरिन ने 'केएबीसी-टीवी' को बताया, मैंने स्लाइडिंग कांच का दरवाजा खोला

ऑफ बीट

रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं।

संक्षेप

स्व. बाबा मोहनदास की आत्मा शांति हेतु आयोजित भंडारे में दर्जनों साधु महात्माओं ने किया भोज

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद के खैरीघाट थाना क्षेत्र के रामपुर ग्राम पंचायत स्थित संम्मनपुरवा में सिद्ध पुरुष दयालु बाबा कुटी पर बाबा मोहनदास की आत्मशांति के लिए एक भंडारे का आयोजन किया गया।इस अवसर पर दर्जन भर से अधिक क्षेत्रीय साधु-महात्माओं ने भोजन ग्रहण किया। भंडारे में पधारे साधु-महात्माओं ने सीताराम ध्वनि का उच्चारण करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। भोजन के उपरांत उन्हें जल पात्र, अंग वस्त्र और दक्षिणा देकर विदा किया गया।बता दें कि सिद्ध पुरुष दयालु बाबा कुटी पर रह रहे बाबा कोटवा दास के भक्त मोहनदास बाबा का बीते दिनों निधन हो गया था। स्वर्गीय मोहनदास बाबा एक महात्मा थे, जिसके चलते उनकी आत्मशांति के लिए यह आयोजन किया गया। इस भंडारे का आयोजन बलराम यादव बाबा और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया था। आयोजकों ने बाबा मोहनदास की आत्मा की शांति और साधु-महात्माओं से आशीर्वाद की कामना की।आयोजक बलराम बाबा ने बताया कि बाबा मोहनदास सरल स्वभाव के एक अच्छे व्यक्तित्व वाले साधु थे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अब आश्रम का संचालन ग्रामीणों के सहयोग से किया जाएगा।

पुलिस ने कस्बा बाबागंज में चलाया चेकिंग अभियान

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच।रुपईडीहा थाना क्षेत्र के कस्बा बाबागंज पुलिस नें बुधवार को यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और अवैध वाहनों पर नकेल कसने के लिए एक विशेष अभियान चलाया।इस अभियान का नेतृत्व चौकी इंचार्ज बाबागंज शिवेश शुक्ला ने किया। अभियान के तहत कस्बे में संचालित मोटर साईकिल, ई-रिक्शा और टेंपो वाहनों की गहन जांच-पड़ताल की गई।पुलिस टीम ने शाम से ही कस्बे के चरदा मोड़ चौराहों पर चेकिंग अभियान शुरू किया। इस दौरान मोटर साईकिल, ई-रिक्शा और टेंपो चालकों से उनके वाहनों के दस्तावेज, पंजीकरण प्रमाणपत्र, चालक लाइसेंस, बीमा की जांच की गई। चौकी इंचार्ज श्री शुक्ला ने बताया कि यह अभियान यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने, अवैध रूप से संचालित वाहनों पर अंकुश लगाने और कस्बे में यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और आवश्यक दस्तावेज हमेशा साथ रखने की सलाह दी गई। उन्होंने ये भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके उप निरीक्षक ओमप्रकाश मौर्य, कांस्टेबल अर्जुन मौर्य, सुनील यादव मौजूद रहे।

सख़्ती: डीजल व पेट्रोल की कालाबाजारी करने वाले 03 व्यक्तियों के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

डीजल व पेट्रोल की कालाबाजारी पर होगी कठोर दण्डात्मक कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी ने बताया कि पिछले दिनों बिना लाइसेंस अवैध रूप से डीजल/पेट्रोल की कालाबाजारी करते हुए पाये जाने पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर 03 मामलों में 03 व्यक्तियों के विरूद्ध थाना रामगांव में आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा-3/7 के अर्न्तगत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है। श्री तिवारी ने बताया कि थाना हरदी के ग्राम पंचायत मासाडीहा निवासी गुड्डू पुत्र रहमत उल्ला दो कैन प्लास्टिक के जिसमें एक में लगभग 40 लीटर डीजल दूसरे में लगभग 35 लीटर डीजल, 01 कीप, 01 मापन यंत्र आधा लीटर के साथ डीजल के संग्रहण व अवैध बिक्री किये जाने के कारण पकड़ा गया है।

इसी प्रकार थाना खैरीघाट निवासी डिहवा बकैना चंदन पुत्र उमानी के पास से एक प्लास्टिक जरीकेन जिसमें डीजल लगभग 50 लीटर के साथ 01 कीप व 01 मापन यंत्र पाया गया तथा विकास खण्ड महसी के नकाही निवासी अमित गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता के विरूद्ध थाना रामगांव में आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा-3/7 के अर्न्तगत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है।

जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने जनपद के समस्त डीजल/पेट्रोल पम्पों के प्रोपराइटर्स, पार्टनर्स एवं प्रबन्धकों को निर्देशित किया है डीजल एवं पेट्रोल के वितरण में जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित करें। सभी पम्पों को निर्देशित किया गया है कि ईधंन की आपूर्ति वाहनों में ही की जाये। जरिकेन, पिपिया, डब्बा, बोतल आदि में पेट्रोल किसी भी दशा में निर्गत नहीं किया जायेगा।जरिकेन, पिपिया, डब्बा में डीजल 5-10 लीटर (निर्धारित मात्रा के डब्बे आदि में ही) किसानों की पहचान फार्मर रजिस्ट्री/किसान बही देखकर एवं पुष्टि करके ही दिया जायेगा।

डीएम श्री त्रिपाठी ने कहा कि डीजल/पेट्रोल को जरिकेन, पिपिया, डब्बा आदि में पम्पों से ले जाकर ग्रामवासियों को अधिक मूल्य पर बेचे जाने की शिकायतों को अत्यन्त गम्भीरता से लिया जायेगा। डीजल एवं पेट्रोल की कालाबाजारी में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई अमल में लाते हुए दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध एन.एस.ए. की कार्यवाही भी की जायेगी।

सीमांत इंटर कॉलेज रूपईडीहा के दिलीप कुमार इंटर मीडियट के परीक्षा परिणाम में रूपईडीहा क्षेत्र के रहे टॉपर

हाई स्कूल तथा इंटर मीडियट परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा गुरुवार को घोषित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में सीमांत इंटर कॉलेज, रूपईडीहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्र दिलीप कुमार ने 86.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल कॉलेज बल्कि पूरे रूपईडीहा क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। वहीं कुमारी अयात अंसारी 81.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि कु. अधिका यादव ने 80.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा आदित्य अवस्थी 78.6 प्रतिशत, मोहम्मद अमान 78.2 प्रतिशत, अभय श्रीवास्तव 76.6 प्रतिशत तथा मयंक शुक्ला 76.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में भी विद्यालय का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। मेधावी छात्रा मधु त्रिपाठी ने 90.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान के साथ रूपईडीहा क्षेत्र में द्वितीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा रेहान अली 89 प्रतिशत, मोहम्मद मुस्तानीर 88.5 प्रतिशत, सूरज कुमार मिश्रा 88 प्रतिशत, आरुषि जायसवाल 85.83 प्रतिशत तथा आकृति सिंह 85.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत बनाए रखा। विशेष बात यह रही कि विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।विद्यालय के प्राचार्य विकास पांडेय ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग को दिया। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कहा कि यह परिणाम विद्यालय में अनुशासित, गुणवत्तापूर्ण एवं संस्कारयुक्त शिक्षा व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है।परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर सफलता का जश्न मनाया और सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं।

कैसरगंज पुलिस की कार्यशैली से नाराज लेखपाल संघ

25 अप्रैल को एकदिवसीय कार्य बहिष्कार का ऐलान

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज पुलिस की कार्यशैली से नाराज उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा कैसरगंज ने राज्य संघ अमीन संघ के समर्थन में 25 अप्रैल 2026 को एकदिवसीय कार्य बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इस संबंध में संघ पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी कैसरगंज को पत्र सौंपकर प्रशासन को पूरे मामले से अवगत कराया और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। संघ द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया है कि राज्य संघ अमीन संघ के पदाधिकारी विजय शंकर वर्मा की प्लेटिना मोटरसाइकिल (यूपी 51 बीआर 6782) को 18 अप्रैल 2026 को फिरोजपुर क्षेत्र में जानबूझकर क्षतिग्रस्त किया गया। घटना की सूचना पुलिस को दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे कर्मचारियों और संगठन के सदस्यों में भारी रोष व्याप्त है।लेखपाल संघ का कहना है कि कैसरगंज पुलिस की उदासीन कार्यशैली और लापरवाहीपूर्ण रवैये से कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो रही है। यदि सरकारी कर्मचारियों के साथ हुई घटनाओं में भी समय पर न्याय नहीं मिलेगा तो कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसी घटना के विरोध में राज्य संघ अमीन संघ ने 25 अप्रैल को कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है, जिसका समर्थन करते हुए उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा कैसरगंज ने भी एक दिन का सांकेतिक कार्य बहिष्कार करने की णा की है। संघ ने स्पष्ट किया कि इस दौरान सभी लेखपाल थाना कैसरगंज में आयोजित समाधान दिवस में उपस्थित रहेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराएंगे। संघ पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आगे व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में जारी पत्र पर उप शाखा अध्यक्ष पवन कुमार चौहान एवं मंत्री चन्द्रकेश मौर्य के हस्ताक्षर हैं। पत्र की प्रतिलिपि जिलाध्यक्ष, जिला मंत्री लेखपाल संघ बहराइच तथा तहसीलदार कैसरगंज को भी भेजी गई है।

किसान पर हमला कर पेंड़ पर चढ़ा तेंदुआ, नौ घंटे बाद उतरा

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के रेंज मोतीपुर क्षेत्र का मामला

तेंदुआ को पेड़ से उतारने में डीएफओ के साथ वन विभाग की टीम रही लगी

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। किसान पर हमला कर तेंदुआ पास में स्थित एक पेड़ पर चढ़ गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत की और तेंदुए को उतारने में लगभग नौ घंटे लग गए, तब जाकर तेंदुआ पेड़ से उतरा और गांव के किनारे स्थित खेत में चला गया। तेंदुआ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर वन रेंज के ग्राम मटिहा में शुक्रवार की सुबह खेत गये। किसान पर तेंदुए ने हमलाकर दिया और उसको बचाने दौड़े दो किसानों को पंजा मार दिया जिससे एक किसान गम्भीर रूप से तथा दो किसानों के हाथ में पंजे से घाव होने के कारण सभी को सीएचसी लाया गया जहां पर दो मरीजों को घर भेज दिया गया तथा एक की गम्भीर हालत को देखते हुए मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। ग्राम मटिहा निवासी ननकन 70 वर्ष पुत्र भगवती प्रसाद शु वार की सुबह 9 बजे अपने खेत गये थे और गन्ने मे मवेशियों का चारा काटने लगे गन्ने के खेत में पहले से मौजूद तेंदुए ने हमला कर दिया। किसान की चीख पुकार सुन आसपास के खेत में मौजूद किसान दौड़े जिस पर तेंदुआ ननकन को छोड़कर गोविन्द 50 वर्ष को पंजा मार दिया और भीड़ बढ़ते देख पास लगे पेंड पर चढ़ कर बैठ गया। काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। जिसकी सूचना मिलते ही मोतीपुर वन रेंज के वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पंहुची। लगभग तीन घंटे बाद कतर्नियाघाट के डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने मौके पर पंहुच

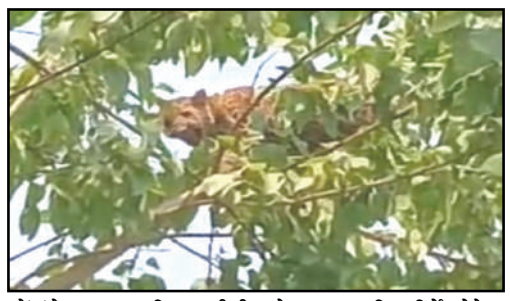

कर वन विभाग की टीम को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए भीड़ को मौके से दूर कर तेंदुए के सुरक्षित पेड़ से उतरने के इंतजार में लगी रही। लगभग नौ घंटे बाद तेंदुआ पेड़ से उतरा और गांव की ओर स्थित खेतों में चला गया। तेंदुए को जंगल में खदेड़ने के लिए मौके पर डीएफओ सहित अन्य वनकर्मी जुटे हुए हैं।

धूमधाम में मनाया गया राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। विकास खंड नवाबगंज के ग्राम पंचायत रहीम नगर समेत लगभग सभी पंचायत सचिवालयों में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस धुमधाम से मनाया गया।इस दौरान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य,वार्ड सदस्यों व पंचायत समिति सदस्यों नें बैठककर पंचायती राज के सशक्तीकरण व पंचायतों के सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चर्चा परिचर्चा हुई। इस दौरान ग्राम पंचायत में विकास कार्यों में सहयोग व मार्गदर्शन करने वाले ग्रामीणों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।ग्राम प्रधान अतुल सिंह ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। 73वें संविधान संशोधन के तहत गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए।उन्होंने बैठक मे मौजूद ग्रामवासियों को बताया कि 24 अप्रैल 1993 को 73वें संशोधन के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा मिला।इस संशोधन के बाद पूरे देश में त्रिस्तरीय प्रणाली लागू की गई।2010 में तत्कालीन

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में घोषित किया। इसी दिन से पूरे भारत में राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। राम सागर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, निजामुद्दीन, कलीम, जंगली प्रसाद,इसरार अली, सुशीला देवी,अनीता देवी, नजर अली सहित आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

कैसरगंज तहसील में आई डिजिटल क्रांति, अब खेतों की पैमाइश होगी हाईटेक

डिजिटल मैपिंग मशीन से बदलेगी कैसरगंज की जमीन नाप व्यवस्था

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर/कैसरगंज/ बहराइच। कैसरगंज तहसील क्षेत्र के किसानों और काश्तकारों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब खेतों की पैमाइश आधुनिक तकनीक से की जाएगी, क्योंकि कैसरगंज तहसील को नई डिजिटल मैपिंग मशीन उपलब्ध करा दी गई है। इस मशीन के जरिए खेतों की नाप अब पहले से कहीं ज्यादा आसान, तेज और सटीक तरीके से हो सकेगी।अब तक खेतों की पैमाइश जरीब के माध्यम से की जाती थी, जो वर्षों पुरानी पारंपरिक व्यवस्था है। यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी, लेकिन अब डिजिटल मशीन के आने से पैमाइश कार्य को नई दिशा मिलेगी। जमीन की नाप में पारदर्शिता बढ़ेगी और विवादों के निस्तारण में भी मदद मिलेगी।इस नई तकनीक से किसानों को अपनी जमीन की सही माप आसानी से मिल सकेगी, जिससे दाखिल-खारिज, सीमांकन और अन्य राजस्व कार्यों में तेजी आएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से सटीक पैमाइश की मांग उठ रही थी, जिसे अब पूरा किया गया है।उप जिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि शासन द्वारा प्रत्येक तहसील को डिजिटल मैपिंग मशीन दी गई है। इसके जरिए काश्तकार अपनी जमीन की पैमाइश आसानी से करा सकेंगे और राजस्व विभाग के कार्यों में भी गति आएगी।कैसरगंज तहसील में डिजिटल मशीन पहुंचने से किसानों में खुशी का माहौल है और इसे आधुनिक प्रशासन की बड़ी पहल माना जा रहा है।

स्पार्क कॉलेज में बीएससी नर्सिंग छात्रों ने किया पोषण कार्यक्रम का आयोजन

डायरिया-डिहाइड्रेशन के मामले बढ़े, अस्पतालों में भर्ती की संख्या भी बढ़ी

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। स्पार्क कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज एंड नर्सिंग के बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा न्यूट्रिशन लैब में एक पोषण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम ने छात्रों को पोषण विज्ञान की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. अभिलाषा वर्मा, प्राचार्य डॉ. मुहासिन तथा उप-प्राचार्य प्रो. स्त्रीनू बी.आर. के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। साथ ही सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों का सराहनीय सहयोग रहा। मुख्य अतिथि डॉ. अभिलाषा वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि संतुलित आहार स्वस्थ जीवन की आधारशिला है। नर्सिंग पेशे में कार्यरत विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे मरीजों को सही पोषण संबंधी परामर्श दे सकें। ऐसे प्रायोगिक कार्यक्रम छात्रों को भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विभागाध्यक्ष श्रीमती मंजुला ने विद्यार्थियों को आहार योजना एवं भोजन निर्माण में विशेष मार्गदर्शन दिया, जबकि कार्यक्रम का संचालन न्यूट्रिशन विषय की प्रभारी श्रीमती वंदना आर. दास के पर्यवेक्षण में किया गया। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु विद्यार्थियों को तीन समूहों में विभाजित किया गया। प्रथम समूह ने हृदय संबंधी रोगों के लिए आहार योजना प्रस्तुत की, द्वितीय समूह ने गुर्दा रोगों के लिए डाइट एवं मेनू प्लानिंग पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जबकि तृतीय समूह ने मोटापा के लिए उपयुक्त आहार योजना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। सभी समूहों ने अपने-अपने विषयों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करते हुए आहार की मात्रा (सर्विंग) एवं कैलोरी गणना को भी शामिल किया, जिससे उनकी विषयगत समझ स्पष्ट रूप से सामने आई। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट टीमवर्क, संगठन क्षमता एवं

आग लगने से तीन घर जले एक भैंस झुलसी दो बकरियों की मौत

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा के अंतर्गत ग्राम पंचायत नौसर गुमटिहा में शुक्रवार को दोपहर में अज्ञात कारणों से लगी आग से तीन घर जलकर राख हो गए घर में रखा गृहस्थी की सामान जलकर खाक हो गया वहीं इस आगजनी में एक भैंस पूरी तरह से झुलस गई वहीं दो बकरियों की मौत हो गई। तहसील मिहींपुरवा के ग्राम पंचायत नौसर गुमटिहा के मजरा गुमटिहा में अज्ञात कारणों से आग लग गई आग की चपेट में रामगोपाल ,अरविंद कुमार व एक अन्य व्यक्ति का घर जलकर राख हो गया। घर में रखा खाने का अनाज कपड़े सहित अन्य घरेलू सामग्रियां जलकर खाक हो गई। रामगोपाल की एक भैंस पूरी तरह से झुलस गई है जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है वहीं अरविंद की दो बकरियों की जिंदा जलकर मौत हो गई है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल ने रिपोर्ट तैयार कर तहसील को सौंपा है। इस संबंध में नायब तहसीलदार ब्रह्मदीन यादव ने बताया कि नौसर गुमटिहा में तीन घर जलकर राख हो गए हैं। लेखपाल ने मौके पर पहुंच रिपोर्ट तैयार की है नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया की जा रही है।

युवक ने जहर खाया

प्रयागराज में इलाज के दौरान मौत, अफेयर को लेकर जान देने की चर्चा

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , जनपद के बाघराय थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाने से मौत हो गई। युवक ने जहरीला पदार्थ खाया था, जिसके बाद प्रयागराज में इलाज के दौरान उसकी सांसें थम गईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बाघराय थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव निवासी 20 वर्षीय वृज प्रताप ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। घबराए परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे प्रयागराज के स्वरूप रानी अस्पताल रेफर कर दिया।यहां इलाज के दौरान वृज प्रताप की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। परिजन शव लेकर घर पहुंचे, जहां सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि युवक का एक युवती से प्रेम संबंध था। पिछले कुछ दिनों से बातचीत बंद होने के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। हालांकि, इन चचाओं की पुलिस द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजयुमो का प्रदर्शन

राहुल-अखिलेश के खिलाफ नारेबाजी, प्रतापगढ़ में पुतले फूंके

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' के समर्थन में और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के पुतले फूंके और जमकर नारेबाजी की। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अंशुमान सिंह के नेतृत्व में यह प्रदर्शन बाबागंज स्थित कार्यालय से चौक घंटाघर तक जुलूस के रूप में निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं ने हाथों में प्लेकार्ड लिए हुए थे, जिन पर महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे लिखे थे। उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और उनके पुतले भी जलाए। भाजयुमो पदाधिकारियों ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सरकार की नीतियों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर महिला मुद्दों को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। इस अवसर पर अविनाश सिंह, विकल पाण्डेय, चंद्र प्रताप, मनीष पांडेय, राहुल मौर्य, रुचि केसरवानी, यशोदा शुक्ला, खुशबू गुप्ता, नेहा गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, पूनम इंसान, सुनीता सिंह, सोनी सिंह और भूमि तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षेप

युवती ने दुष्कर्म का आरोप, एसपी से गुहार

नशीला पदार्थ देकर वारदात का आरोप, पुलिस पर बयान बदलने का दबाव

बागपत,एक युवती ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) से न्याय की गुहार लगाई है। युवती का आरोप है कि गांव के एक युवक ने उसे नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म कराई है। पीड़िता ने पुलिस पर बयान बदलने का दबाव बनाने का भी गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, गांव का ही एक युवक पिछले दो-तीन साल से उसे लगातार परेशान कर रहा था। कई बार विरोध करने के बावजूद आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और उसे तंग करता रहा। युवती ने बताया कि 25 मार्च 2026 को आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। वहां उसे नशीला पदार्थ दिया गया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की कोशिश की। बुधवार को पीड़िता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। सभी तथ्यों को गंभीरता से परखा जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट ने चोरी के आरोपी को सजा सुनाई

सिंघावली मामले में 1 साल 9 माह कारावास, 1000 रुपये जुर्माना

बागपत , न्यायालय ने सिंघावली थाना क्षेत्र में वर्ष 2024 में हुई चोरी के एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) कोर्ट ने आरोपी जहीर को दोषी करार देते हुए 1 वर्ष 9 माह 14 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 1000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।यह मामला वर्ष 2024 में हुई चोरी की घटना से संबंधित है। सिंघावली थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जहीर को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य एकत्र कर अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया। अभियोजन विभाग ने कोर्ट में प्रभावी पैरवी करते हुए आरोपी के खिलाफ मजबूत सबूत पेश किए। सुनवाई के दौरान अदालत ने सभी पक्षों की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्यों पर विचार किया। कोर्ट ने आरोपी जहीर को दोषी पाया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि चोरी जैसे अपराध समाज में असुरक्षा पैदा करते हैं, इसलिए ऐसे मामलों में सख्त सजा आवश्यक है।

मुस्कान रुद्राक्ष माला, साहिल ब्रेसलेट पहनकर कोर्ट पहुंचे

सौरभ हत्याकांड में दोनों आरोपियों से अदालत में हुए सवाल जवाब

मेरठ , बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में मंगलवार को पेशी के दौरान एक अलग ही तस्वीर देखने को मिली। आरोपी मुस्कान जहां गले में रुद्राक्ष की माला पहने कोर्ट पहुंची, वहीं उसका प्रेमी साहिल हाथ में ब्रेसलेट पहने नजर आया। दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला जज की अदालत में पेश किया गया।इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस सबसे पहले साहिल को कोर्ट लेकर पहुंची।वह सिर झुकाए हुए अंदर गया और हाथ में हथकड़ी के साथ ब्रेसलेट पहने दिखाई दिया। कुछ देर बाद मुस्कान को लाया गया

गांव में आयोजित हुई चौपाल विधायक ने किया जागरूक

मोक्ष धाम समेत उत्सव भवन का हुआ शिलान्यास लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल द्वारा विधानसभा के अमौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मवई तथा मदरी में ग्राम चौपाल आयोजित की गई क्षेत्रीय विधायक ने कार्यक्रम में पहुंचकर आम जनमानस को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए जागरूक किया जहानाबाद विधायक ने ग्राम पंचायत मवई पहुंचकर आयोजित ग्राम चौपाल में सहभागिता निभाते हुए नवनिर्मित मोक्ष धाम का लोकार्पण किया वही गांव में प्रस्तावित उत्सव भवन का भी शिलान्यास कार्यक्रम ग्राम प्रधान अनुज सिंह के साथ मिलकर संपन्न किया ठीक इसी प्रकार क्षेत्र के गांव मदरी पहुंचकर क्षेत्रीय विधायक ने ग्राम चौपाल में सहभागिता निभाई गांव पहुंचने पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक समेत विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी सुरेश शिवहरे सीडीपीओ अजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली के अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार मंडल अध्यक्ष देवेंद्र अवस्थी समेत अन्य लोगों का ग्राम प्रधान लवकुश सचान तथा ग्राम वासियों ने भव्य स्वागत किया ग्राम चौपाल में मौजूद सभी अतिथियों ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारियां देते हुए क्षेत्र वासियों को जागरूक किया इस मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ राहुल एडियो आरडी मुन्नालाल एडियो ए जी रविंद्र सिंह सुपरवाइजर पिंकी सिंह धर्म सिंह धर्मेंद्र सिंह महाराज सिंह धर्मेंद्र सिंह अजय पटेल समेत भारी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रवासी मौजूद रहे

मजदूरी करने दूसरे प्रांत गई महिला के घर में हुई चोरी

गांव के ही दो युवकों के ऊपर आशंका, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मिजार्पुर मकरंदपुर के मजरे गांव बेरहरा निवासी पीड़िता गौरी देवी पत्नी राजू निषाद ने नजदीकी थाना जहानाबाद में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि उसके बंद मकान में गांव के ही दो युवक अभिषेक पुत्र रविंद्र तथा जबर निषाद पुत्र सुखनंदन निवासी गांव बेरहरा मजरा मिजार्पुर मकरंदपुर थाना जहानाबाद ने चोरी की वारदात की महिला अपने जीवन यापन के लिए दूसरे प्रांत सूरत मजदूरी करने गई थी तथा घर में ताला बंद था जिसका फायदा उठाते हुए चोरों ने मास्टर चाबी लगाकर कमरे का ताला खोल अलमारी का लॉक तोड़ दिया वही अलमारी में रखें सोने के जेवरात मंगलसूत्र बृजबाला चांदी की हाफ पेटी बिछुआ तथा तीन जोड़ी पायल पार कर दी घटना की सूचना जैसे ही पीड़िता को मिली तो वह सूरत से अपने गांव पहुंची और मौके की हालत देखकर स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी थाना प्रभारी जहानाबाद मनीष कुमार सिंह ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर धारा 331(4)305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश जारी की

भाजपा नेता की स्कार्पियो में मिले अवैध हथियार

भांजियों के विदाई समारोह में की हर्ष फायरिंग, नेता फरार; पुलिस ने सीज की कार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , भाजपा नेता रोबिन मोरल की ब्लैक स्कार्पियो से पुलिस ने अवैध हथियार बरामद किए हैं। रोबिन मोरल ने अपनी भांजियों की शादी के बाद हुई विदाई समारोह में हर्ष फायरिंग की थी।इसके साथ ही पुलिस को जांच के दौरान एक काले रंग की स्कार्पियो में अवैध हथियार मिले हैं। जांच हुई तो पता चला कि ये स्कार्पियो रोबिन मोरल नामक व्यक्ति की है। जो भाजपा नेता है।

भांजियों की शादी में आया था

मवाना के भिड़वारा गांव में सोमवार को किसान राजेंद्र सिंह की दो बेटियों की शादी थी। यहां दो बारात आई थी। एक बरात हुमायूंपुर और दूसरी करीमपुर भंडोरा से आई थी। राजेंद्र सिंह का साला हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के नानपुर निवासी रोबिन मोरल भात भरने (एक तरह का नेग) के लिए आया था। रोबिन वर्तमान में बागपत रोड स्थित इंद्रापुरम कालोनी में रहता है। बताया जा रहा है कि रोबिन के साथ स्कार्पियो में उसके साथी भी थे। रात नौ बजे दोनों ही बेटियों की विदाई हो रही थी। इसी बीच रोबिन और उसके साथियों ने अवैध असलाह से करीब 15 राउंड फायरिंग की। गोलियों की तड़तड़ाहट से भिड़वारा गांव की गलियां गूंज उठीं।

पिस्टल, तमंचे, कारतूस मिले

सीओ मवाना पंकज लवानिया ने बताया कि फोन पर सूचना आई थी कि गाड़ी में कुछ हथियार होने की आशंका है।

उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान से सम्मानित हुए मोहनलाल इंटर कॉलेज के बच्चे

गौरवान्वित हुआ शिक्षण संस्थान खिल उठे छात्र-छात्राओं के चेहरे

अमनलेखनी समाचार

समरजीत सोनकर अमौली फतेहपुरे जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे में संचालित मोहनलाल इंटर कॉलेज में मेधा अलंकरण समारोह धूमधाम से मनाया गया यूपी बोर्ड परीक्षा के प्रतिभागी हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय समेत अपने माता-पिता का गौरव बढ़ाया विद्यालय के प्रबंधक ज्ञानेंद्र कुमार द्वारा विद्यालय में मेधा अलंकरण समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के संस्थापक मोहनलाल वर्मा द्वारा की गई विद्यालय पहुंचे सभी छात्र छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक संस्थापक समेत प्रधानाचार्य वीएस सचान आदि सभी शिक्षकों ने मुंह मीठा कराते हुए उत्साहवर्धन किया वहीं विद्यालय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा में विद्यालय की छात्रा प्रज्ञा प्रजापति ने 92% प्रशांत ने 90% आरजू पटेल ने 90% आनवी पटेल ने 90% दीपशिखा ने 90% रुपेश ने 89% उत्कर्ष ने 88% तथा शिखा ने 89% अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया अन्य विषयों के शिक्षकों के साथ-साथ गणित विषय के शिक्षक कुलदीप पटेल की जमकर सराहना हुई इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक अभिनव तिवारी अभिषेक पाल अंकुश पटेल मनीष सत्यजीत शिक्षिका अर्चिता द्विवेदी संचिता द्विवेदी दिव्या पटेल अंजली श्वेता अनीता सत्यादि सिंह भारती तथा भारी संख्या में अभिभावक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे आए हुए सभी अभिभावकों का विद्यालय के प्रबंधक ज्ञानेंद्र वर्मा ने सादर आभार व्यक्त किया

बुजुर्ग महिला ने 29वीं मंजिल से कूदकर जान दी

इंदिरापुरम में ग्राउंड में खड़ी कार पर गिरी, बेटी बोली- मां डिप्रेशन में थीं

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , इंदिरापुरम इलाके में बुधवार तड़के 65 साल बुजुर्ग महिला 29वीं मंजिल से कूद गई। वह नीचे खड़ी कार पर गिरी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस की जांच में आया है पति की मौत के बाद बुजुर्ग महिला तनाव में थीं। परिजनों ने इस पूरे मामले में कोई भी कार्रवाई करने से इनकार किया है इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया- 69 साल के ताराचंद की 3 महीने पहले मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी फूलवती (65 साल) इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर- 15 में अपने बेटे के साथ रह रही थीं। इंदिरापुरम की ट्राइन टावर सोसायटी में फूलवती की बेटी भावना अपने पति के साथ रह रही हैं।19 अप्रैल को फूलवती अपनी बेटी भावना की शादी सालगिरह मनाने आई हुई थीं। जहां वह अपनी बेटी और दामाद के पास ही रही रहीं थीं। आज बुधवार तड़के वह 29 वीं मंजिल से नीचे कूद गईं। महिला एक लाल रंग की कार पर गिरीं, जिससे कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। बॉडी कई जगह से टूट गई एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि महिला के कूदने की सूचना पर सोसायटी के गार्ड पहुंचे। पुलिस ने भी घटना की जानकारी ली। सिर का हिस्सा फट चुका था, पैर और कंधे की हड्डी टूट गई। जिस ऊंचाई से गिरी हैं वहां से करीब 290 फीट की ऊंचाई है।बेटी भावना ने पुलिस को बताया कि पापा की मौत के बाद से मम्मी भी मानसिक तनाव में थीं। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि परिवार वालों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर कर दिया, लेकिन यह कानूनी प्रक्रिया है, जिसके बाद पुलिस शव का पोस्टमार्टम का रही है।

'लेंसकार्ट का मालिक औरंगजेब की औलाद'

शोरूम में पहुंचे भाजपा विधायक नंद किशोर, ड्रेस कोड पर भड़के; बोले- वो नकली हिंदू है

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर मंगलवार शाम गाजियाबाद के एक लेंसकार्ट शोरूम पहुंचे। उन्होंने वहां काम कर रहे कर्मचारियों से बातचीत की और ड्रेस कोड का विरोध जताया।विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा- यह बहुत गलत फैसला है। भारत में रहकर बिंदी और कलावा नहीं पहन सकते, यह उचित नहीं है। कंपनी के मालिक का नाम भले ही पीयूष है, लेकिन इसके माता या पिता में से कोई एक मुसलमान होगा। यह औरंगजेब की औलाद है। इसकी जांच होनी चाहिए।

रासुका के तहत कार्रवाई हो

शोरूम में विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा- लेंसकार्ट के मालिक की जांच होनी चाहिए। हिंदुस्तान में बहुसंख्यक आबादी है और वह नकली हिंदू बना हुआ है। जिस तरह उसने बुर्का और हिजाब को अनुमति दी है और तिलक तथा कलावे को प्रतिबंधित किया है, यह फैसला गलत है। यह बहुत गंभीर विषय है। इस तरह का उसने आदेश दिया है, उसके खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। यह सनातन की सदी है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विश्व में भारत का झंडा फहराया है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कलावा और टीका लगाकर विश्व के सामने ह्यहर-हर महादेवह्न का नारा लगाते हैं। लेंसकार्ट के मालिक पीयूष बंसल की सोच तुष्टिकरण वाली है ।यह मुस्लिम नहीं, जिहादी मुस्लिम है। इसका नाम भले ही पीयूष है, लेकिन इसके माता या पिता में से कोई एक मुसलमान होगा। इसकी जांच होनी चाहिए। इसका पूरे देश में विरोध होगा ।इस कंपनी को सरकार टेकओवर करेंउन्होंने आगे कहा कि इस कंपनी को सरकार को टेकओवर करना चाहिए। कई जगह पीयूष बंसल के खिलाफ एफआईआर कराई गई है। जरूर कार्रवाई होगी। यह हिंदू की सदी है। सनातनी इस कंपनी को कभी भी नहीं अपनाएगा ।शोरूम के स्टॉफ से बात कर ड्रेस कोर्ड पर आपत्ति जताई ।शोरूम के स्टॉफ से बात कर ड्रेस कोर्ड पर आपत्ति जताई ।अब जानिए विवाद की वजह क्या हैह्न, चश्मा का कारोबार करने वाली कंपनी लेंसकार्ट अपने ड्रेस कोड को लेकर विवादों में घिर गई है। सोशल मीडिया पर कंपनी का एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ है। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा पहनने से मना किया गया है, जबकि हिजाब और पगड़ी को शर्तों के साथ मंजूरी दी गई है ।विवाद तब बढ़ा जब एक्टिविस्ट शेफाली वैद्य ने पर इसका स्क्रीनशॉट शेयर किया।

नीले ड्रम वाली मुस्कान गोद में बेटी लेकर कोर्ट पहुंची

13 महीने बाद जेल से प्रेमी साहिल के साथ पुलिस वैन में आई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों को जेल से भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया। दोनों करीब 46 मिनट तक कोर्ट में रहे। इस दौरान साहिल से 20 मिनट और मुस्कान से 16 मिनट तक जज ने सवाल-जवाब किए। इसके बाद पुलिस दोनों को जिस तरह कोर्ट लाई थी, उसी तरह वापस जेल लेकर चली गई। इससे पहले साहिल को लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची। वह सफेद टोपी और राउंड नेक की सफेद टी-शर्ट पहने था। पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद साहिल ने सिर नीचे झुका लिया, सिपाहियों के इशारे पर चलता रहा। कुछ वकीलों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इसके बाद साहिल को लेकर पुलिसकर्मी कोर्ट पहुंचे ।कुछ देर बाद पुलिस मुस्कान को लेकर पहुंची। वह पीले रंग का प्रिंटेड सूट और काला दुपट्टा पहने थी। चेहरे पर काला मास्क लगा रखा था। गोद में 6 महीने की बच्ची लिए थी। नजर झुकाए मुस्कान कोर्ट में प्रवेश कर गई। बच्ची को भी दुपट्टे से लपेट रखा था। चारों तरफ पुलिस का घेरा था, किसी को भी मुस्कान की तरफ आने नहीं दिया गया ।मुस्कान-साहिल केस में सुनवाई की अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। संभावना है कि इसी दिन अदालत अपना फैसला सुना सकती है और दोनों को सजा भी हो सकती है।18 मार्च से जेल में बंद हैं साहिल-मुस्कानः 18 मार्च, 2025 को मुस्कान को पति सौरभ की हत्या के मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था, तब से अब तक यानी करीब 13 महीने बाद वह पहली बार नजर आई है। साहिल से ठीक पहले सौरभ की मां और भाई भी कोर्ट पहुंचे थे। उन्हें पुलिसकर्मियों ने पहले ही रोक दिया। पहली बार फिजिकल पेशी हुईः नीला ड्रम कांड के नाम से चर्चित इस मामले में अब धारा- 313 की कार्रवाई शुरू हो गई है। यानी जज अब सीधे आरोपियों से सवाल-जवाब कर रहे हैं। सुनवाई की पहली तारीख 15 अप्रैल तय थी, लेकिन विशेष कारणों से उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद 18 अप्रैल की तारीख लगी, लेकिन उस दिन भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। अब इस मामले में 21 अप्रैल यानी आज सुनवाई हो रही है।

पहले साहिल और फिर मुस्कान से सवाल-जवाब हुए

कोर्ट में पहले साहिल का बयान हुआ। साहिल से 20 मिनट तक सवाल-जवाब हुए। इस दौरान मुस्कान बच्ची को लेकर पीछे बैठी रही। बच्ची कुल 6 महीने की दुधमुंही है, इसलिए उसे मां के साथ लाया गया। साहिल के बाद मुस्कान को जज के सामने पेश किया गया। उससे भी 16 मिनट तक सवाल-जवाब हुए ।साहिल और मुस्कान करीब 46 मिनट जिला जज की कोर्ट में रहे। दोनों ने 2 बजकर 54 मिनट पर कोर्ट

श्रमिकों के लिए कॉल सेंटर शुरू

हिंसक आंदोलन के बाद प्रशासन की पहल, हेल्पलाइन पर दर्ज होंगी शिकायतें

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,हाल ही में हुए श्रमिकों के हिंसक आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए बड़ा कदम उठाया है। प्रशासन की ओर से एक विशेष कॉल सेंटर स्थापित किया गया है, जहां श्रमिक अपनी शिकायतें सीधे दर्ज करा सकेंगे। इसका उद्देश्य श्रमिकों की समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी निवारण सुनिश्चित करना है। यह कॉल सेंटर सेक्टर-3 स्थित अपर श्रमायुक्त कार्यालय में बनाया गया है। प्रशासन ने इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0120-4126892 जारी किया है, जिस पर श्रमिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा श्रमिक ईमेल पर भी अपनी समस्याएं भेज सकते हैं ।शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई का दावाप्रशासन का कहना है कि कॉल सेंटर में प्राप्त होने वाली हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि शिकायतों के निस्तारण में देरी न हो और श्रमिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल श्रमिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करेगी ।हिंसक प्रदर्शन के बाद उठाया कदमगौरतलब है

नारी शक्ति के सम्मान पर सियासत तेज

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- आधी आबादी के बिना विकसित भारत संभव नहीं

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रेस वार्ता कर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर देशभर की महिलाओं की नजरें लंबे समय से संसद पर टिकी हुई हैं, ताकि उन्हें लोकसभा और विधानसभा में अधिक प्रतिनिधित्व मिल सके और नीति निर्धारण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो ।पंकज चौधरी ने कहा कि यह विधेयक आज का नहीं, बल्कि पिछले तीन-चार दशकों से लंबित रहा है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी के बिना देश का विकसित राष्ट्र बनना संभव नहीं है ।महिला योजनाओं का दिया हवालाउन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपनी योजनाओं और नीतियों में महिलाओं को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना और उज्ज्वला योजना का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इन योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता के साथ लाभ पहुंचाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर परिवारों में चिंता का माहौल रहता था, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद स्थिति में सुधार आया है। उन्होंने दावा किया कि आज प्रदेश में 35 से 36 प्रतिशत महिलाएं रोजगार से जुड़ी हैं और महिला सशक्तीकरण को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है ।मोदी सरकार में बढ़ा महिला प्रतिनिधित्व उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का जिक्र करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल की शुरूआत से ही महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

25 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त

हिंसा में संदिग्ध भूमिका मिली, श्रम विभाग के नोटिस का नहीं दिया था जवाब

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,हालिया हिंसक आंदोलन में जिन संविदाकारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी, उनमें से 25 और संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। इससे पहले 10 संविदाकारों के लाइसेंस रद्द किए जा चुके थे। जिला प्रशासन की जांच में सामने आया कि इन संविदाकारों ने श्रम कानूनों का पालन नहीं किया था। अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने बताया कि औद्योगिक शांति बनाए रखने और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत संविदाकारों को अनियमितताओं के चलते कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन किसी ने भी इसका जवाब नहीं दिया ।एरक और को भेजी गई सूचीउन्होंने बताया कि ऐसे कुल 25 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। साथ ही संबंधित संविदाकारों की सूची कर्मचारी राज्य बीमा निगम और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को भी भेजी गई है, ताकि वे अपने-अपने अधिनियमों के तहत अनुपालन की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई कर सकें।

संक्षेप

इंजन में दुपट्टा फंसने से युवती घायल

अमन लेखनी समाचार

अरवलः मक्का की सिंचाई के दौरान इंजन स्टार्ट करते समय पूजा (पुत्री रामपाल कठेरिया, ग्राम जसमई) का दुपट्टा इंजन में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने तुरंत उसे मेडिकल कॉलेज तिर्वा, कन्नौज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने हालत खतरे से बाहर बताई है।

गीता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का जलवाः समर्थ गुप्ता जिला टॉपर, तीन छात्र टॉप-10 में

शाहाबाद (हरदोई)ः मो० बाजार शंभा स्थित गीता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम शानदार रहा। विद्यालय के छात्र समर्थ गुप्ता ने 95.16% अंक हासिल कर जिले में टॉप कर नगर का नाम रोशन किया। वहीं शरद वीर सिंह (95%) और पवन (93.17%) ने भी टॉप-10 सूची में स्थान बनाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय का हाईस्कूल परिणाम 100% रहा। प्रबंधक वीणा गुप्ता व प्रधानाचार्य प्रमोद गुप्ता ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इस उपलब्धि का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

टॉप-10 में तीन छात्रों ने बढ़ाया मान, समर्थ गुप्ता बने जिला टॉपर

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)ः नगर के मो० बाजार शंभा स्थित गीता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। छात्र समर्थ गुप्ता ने 95.16% अंक प्राप्त कर जिले में टॉप कर विद्यालय व नगर का नाम रोशन किया। वहीं शरद वीर सिंह (95%) और पवन (93.17%) ने भी टॉप-10 सूची में स्थान हासिल किया। विद्यालय का हाईस्कूल परिणाम 100% रहा। प्रबंधक वीणा गुप्ता व प्रधानाचार्य प्रमोद गुप्ता ने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन व अभिभावकों के सहयोग को देते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

बेनीगंज (हरदोई)ः सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में बेनीगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 21 अप्रैल को फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज किया। जांच के बाद आरोपी वीरेंद्र कुमार निवासी महमूदपुर, थाना बेनीगंज को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक भानप्रताप, कांस्टेबल शुभम यादव व सदाकांत शामिल रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में हैंडपंप पर मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

चोपन/ सोनभद्र - जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़गांवा में रमेश अगरिया पुत्र शंकर अगरिया उम्र 25 वर्ष की मौत हो गई है भूतपूर्व ब्लॉक प्रमुख दयाराम के घर के रोड के दक्षिण साइड हैंड पंप के फाउंडेशन पर मृतक पाया गया दिनांक 23/4/ 26 गांव वालो ने देखा की कोई आदमी हैंड पंप के फाउंडेशन पर सो रहा है जगाने की कोशिश किया गया तो मृत पाया गया फिर उसके घर वालों को सूचना किया गया साथ ही पीआरबी डायल 112 को सूचना दिया गया मौके पर जुगैल थाना प्रभारी शव को कब्जे में लेकर जाच पड़ताल में जुट गये जुगैल थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि हमारे दरोगा और कांस्टेबल वहां पहुंचकर डेड बॉडी को अपने कब्जे में लेकर पीएम हाउस भेज रहे हैं हम लोग मौत का कारण जानने की कोशिश कर रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण का पता लग पाएगा

गरौठा के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, जिले की टॉप-10 सूची में बनाई जगह

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

गरौठा (झांसी)। हाल ही में घोषित यूपी बोर्ड हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में गरौठा क्षेत्र के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले की टॉप-10 सूची में अपनी जगह बनाई है। कस्बा स्थित जयहिंद मिशन इंटर कॉलेज की छात्रा छवि पटेल ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 92.2% अंक प्राप्त कर जिले में चौथा स्थान हासिल किया। वहीं ज्ञानोदय शिक्षण संस्थान के छात्र शनि परिहार ने हाई स्कूल परीक्षा में 95% अंक प्राप्त कर जिले में छठवां स्थान प्राप्त किया। दोनों मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह सफलता अर्जित की है। उनकी इस उपलब्धि से उनके माता-पिता, गुरुजन एवं पूरे नगर में खुशी का माहौल है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से यह मुकाम हासिल किया।

प्रदेश स्तरीय बैठक में शामिल होंगे नागर प्रधान अनुज द्विवेदी

भदोही में उठाएंगे प्रधानों के हक की आवाज

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। ग्राम नागर के प्रधान अनुज कुमार द्विवेदी प्रदेश स्तरीय संगठन की महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए भदोही रवाना होंगे। इस बैठक में झांसी, ललितपुर और जालौन जनपद के प्रधानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। जानकारी के अनुसार, बैठक में सीमित संख्या में चुनिंदा प्रधानों को ही आमंत्रित किया गया है, जिनमें झांसी मंडल से अनुज कुमार द्विवेदी अकेले प्रतिनिधित्व करेंगे। वह संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी में मंडल प्रभारी के रूप में भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों की विभिन्न समस्याओं—जैसे कार्यकाल बढ़ाने, चुनाव समय पर न होने की स्थिति में व्यवस्था, तथा विकास कार्यों में आ रही बाधाओं—पर विस्तार से मंथन किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों को सम्मानित भी किया जाएगा। अनुज द्विवेदी अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई विकास कार्य कराए हैं और ह्लनागर मॉडलह्व के रूप में एक विकास की नई पहल प्रस्तुत की है, जिससे अन्य ग्राम पंचायतें भी प्रेरणा लेकर कार्य कर रही हैं। भदोही में होने वाली इस बैठक पर प्रदेश भर के प्रधानों की नजरें टिकी हैं, क्योंकि इसमें कार्यकाल से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित होने की संभावना जताई जा रही है।

सुट्टा में घर में घुसा सबसे जहरीला सर्प 'रसल वाइपर'

वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। गरौठा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुट्टा में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब रामप्रसाद के घर के पर स्थित खंडहर में करीब 5 फीट लंबा जहरीला सर्प दिखाई दिया। सर्प को देखते ही परिजनों में दहशत फैल गई और उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी बामौर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम प्रभारी मयंक ठाकुर ने अपने सहयोगी मोनू ठाकुर और हरप्रसाद यादव के साथ मिलकर सावधानीपूर्वक सर्प का सफल रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद टीम ने सर्प को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। टीम प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया सर्प एशिया के सबसे जहरीले सांपों में शामिल रसल वाइपर था, जो अत्यंत खतरनाक माना जाता है। सर्प के सुरक्षित पकड़े जाने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

प्रेक्षागृह में 'जन आक्रोश सम्मेलन', नारी अधिकारों पर गूंजा स्वर

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। प्रेक्षागृह में विभिन्न महिला संगठनों के तत्वावधान में आयोजित 'जन आक्रोश सम्मेलन' में नारी अधिकारों और सशक्तिकरण को लेकर जोरदार आवाज उठी। कार्यक्रम में महिलाओं ने एकजुटता दिखाते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता जताई और बाद में आंबेडकर पार्क तक विरोध मार्च भी निकाला। सम्मेलन की मुख्य अतिथि राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि एक ओर देश में धार्मिक आयोजनों की धूम है, वहीं महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो नारी सम्मान के लिए चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह धर्म और जाति की राजनीति में उलझाकर महिलाओं के मुद्दों को दरकिनार कर रहा है। वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकतांत्रिक व्यवस्था का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं का अधिकार है और इसे लागू करने में किसी भी प्रकार का राजनीतिक मतभेद आड़े नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं—उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं स्वयं सहायता समूह—के जरिए महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की सराहना की गई। सम्मेलन के अंत में महिला संगठनों ने निंदा प्रस्ताव पारित करते हुए विपक्ष से अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने की अपील की। इसके बाद राज्यमंत्री रजनी तिवारी के नेतृत्व में प्रेक्षागृह से आंबेडकर पार्क तक मार्च निकाला गया, जहां डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, नीतू चंद्रा, अलका गुप्ता, शशि, कुमुदिनी तिवारी, महिमा श्रीवास्तव, अनुपमा सिंह, किरण अग्रवाल, सोनी, अदिति कुशवाहा, सुमन, चंद्रप्रभा, श्वेता, अनीता गुप्ता, सुमन सिंह, कृति अग्रवाल, निधि सिंह, शोभना सिंह एवं दीपा बिस्वास सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

हरदोई में भीषण अग्निकांडः शोभित इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर शॉप जलकर राख, करोड़ों का नुकसान

अमन लेखनी समाचार

साण्डी (हरदोई), संवाददाता। कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित हीरो एजेंसी के समीप शोभित इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर की दुकान में शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें उठते देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इनमें तीन गाड़ियां सदर हरदोई और दो गाड़ियां बिलग्राम फायर स्टेशन से भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकान और गोदाम में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो चुका था।

गरौठा के छात्र ने हाईस्कूल की परीक्षा में 95% अंक प्राप्त कर जिले में छठवां स्थान प्राप्त किया

सफलता के लिए पूर्व गरौठा विधायक बृजेंद्र व्यास डमडम महाराज ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

गरौठा।कसवा स्थित ज्ञानोदय शिक्षण संस्थान के छात्र शनि परिहार ने यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में 95% अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने जनपद झांसी में छठवां स्थान हासिल किया है। शनि परिहार मूल रूप से ग्राम बरमाइन के निवासी हैं। उनके पिता जितेंद्र सिंह किसान हैं और माता रंजना गृहिणी हैं। एक साधारण परिवार से आने वाले शनि ने कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता प्राप्त की है। शनि की इस उपलब्धि पर गरौठा के पूर्व विधायक बृजेंद्र व्यास (डमडम महाराज) उनके घर पहुंचे। उन्होंने शनि को बधाई दी और भगवान राधा-कृष्ण का चित्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आशु ठाकुर (बरमाइन), सुशील विश्वकर्मा सोनू (समाजसेवी), अमित सेंगर, रविन्द्र सिंह, सचिन श्रीवास और शिवा ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बालू लदा ट्रक पलटने से चालक की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत खेवधा मोड़ के पास वुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा रात करीब 11 बजे के आसपास उस समय हुआ जब बालू लादकर आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक चालक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह (उम्र लगभग 33 वर्ष), निवासी कोरांव, जनपद प्रयागराज, वाहन चला रहा था। खेवधा मोड़ के पास चढ़ाई पर ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पीछे की ओर बैक होने लगा। स्थिति बिगड़ती देख चालक ने अपनी जान बचाने के लिए ट्रक से कूदने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्यवश वह ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा तत्काल जुगैल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद शव को ट्रक के नीचे से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मौके पर मौजूद ट्रक मालिक विजय कुमार केशरवानी (35 वर्ष), पुत्र राजमन केशरवानी ने बताया कि चढ़ाई पर वाहन बैक होने के कारण नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रक खाई में पलट गया, जिससे चालक उसकी चपेट में आ गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। खेवधा मोड़ पर हुआ यह हादसा एक बार फिर क्षेत्र की खतरनाक सड़कों और ढलानों की ओर इशारा करता है, जहां जरा सी चूक जानलेवा साबित हो सकती है।

सीएम योगी ने 1054 करोड़ की 470 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

ईको पार्क समेत स्मार्ट सड़कों व विकास कार्यों की दी सौगात

आदर्श कुमार श्रीवास्तव

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर में करीब 1054 करोड़ रुपये की 470 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस दौरान एकला बांध स्थित नव विकसित ईको पार्क को जनता को समर्पित किया गया, जो पहले कूड़ा डंपिंग स्थल था। कार्यक्रम में 173 परियोजनाओं का लोकार्पण और 297 कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसमें सड़कों, नालियों, जल निकासी, ग्रीन बेल्ट और अन्य शहरी विकास से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। साथ ही सीएम ग्रिड योजना के तहत 6 स्मार्ट सड़कों के निर्माण की भी शुरूआत की गई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ किया, जिसके माध्यम से छात्रों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। इस दौरान जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

मजदूरों पर दमन के विरोध में वामदलों का प्रदर्शन, राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र, जनपद मुख्यालय पर गुरुवार को संयुक्त वामदलों के बैनर तले मजदूरों के मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (माले) के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा। वामदलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि नोएडा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूरों के आंदोलन पर दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। ज्ञापन में आठ घंटे कार्यदिवस लागू करने, अतिरिक्त काम के लिए डबल ओवरटाइम भुगतान और मजदूरों के शोषण पर रोक लगाने की मांग की गई। भाकपा जिला सचिव आर.के. शर्मा ने कहा कि नोएडा में वेतन वृद्धि और कार्य स्थितियों में सुधार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे मजदूरों पर की गई कार्रवाई सरकार के श्रमिक विरोधी रवैये को दशार्ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में मजदूरों और किसानों की जायज मांगों को दबाने के लिए दमन का सहारा लिया जा रहा है। माकपा जिला मंत्री नंद लाल आर्या ने कहा कि मजदूर नेताओं की गिरफ्तारी, जेल भेजना और परिवार से संपर्क तक रोकना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने इसे तानाशाहीपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि प्रदेश के कई जिलों में विरोध करने वालों को नजरबंद किया जा रहा है। खेत मजदूर यूनियन के नेता देव कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि प्रदेश में जनतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। वहीं किसान सभा के नेता प्रेमनाथ ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए जन आंदोलनों को बदनाम कर रही है। सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष विसंभर सिंह ने मांग की कि नोएडा आंदोलन के दौरान गिरफ्तार मजदूरों और नेताओं को तुरंत रिहा किया जाए तथा उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। प्रदर्शन के दौरान वामदलों ने सरकार और प्रशासन के सामने कई अहम मांगें रखीं, जिनमें—शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शनों पर रोक न लगाने की मांग नोएडा में गिरफ्तार मजदूरों व नेताओं की रिहाई फर्जी मुकदमों को वापस लेने की मांग प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी व हाउस अरेस्ट पर रोक मजदूर संगठनों और सरकार के बीच वार्ता शुरू करने की मांग प्रदर्शन में वामदलों के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

वृक्षारोपण जन अभियान की समीक्षा, मंत्री ने दिए सख्त निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना ने आज सर्किट हाउस सभागार में वन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं एवं वृक्षारोपण कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान राज्य मंत्री (समाज कल्याण) संजीव कुमार गौड, विधायक सदर भूपेश चौबे एवं विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता ने सड़कों के निर्माण पटवध बसुआरी मार्ग, मंग्लेश्वर महादेव मन्दिर मार्ग, तिलहर मार्ग व बिजली के खम्भें गाड़ने में आ रही वन विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में मंत्री जी को अवगत कराये, मंत्री जी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण में यदि कोई समस्या हो, तो संबंधित कार्यदायी संस्था से आवेदन प्राप्त कर प्रवेश पोर्टल के माध्यम से उसका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वन विभाग सम्बन्धित कार्यदायी संस्था जनप्रतिनिधिगण की उपस्थिति में बैठक कर ली जाये और जो भी समस्यायें आ रही है उसका निराकरण अतिशीघ्र कराया जाये। बैठक के दौरान मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत किए गए वृक्षारोपण की समीक्षा करते हुए कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं निगरानी अनिवार्य रूप से की जाए सभी अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करें

दीक्षांत परेड हेतु भव्य एवं अनुशासित पूर्वाभ्यास सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र के परेड ग्राउंड में आगामी दीक्षांत परेड समारोह के सफल एवं गरिमामयी आयोजन के दृष्टिगत भव्य पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों द्वारा अद्वितीय अनुशासन, समर्पण एवं उत्साह का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात मार्च पास्ट में रिक्रूट्स ने बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक एवं प्रभावशाली तालमेल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जो उनकी कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष उदाहरण रहा। निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की गई तथा उन्हें भविष्य में कर्तव्यनिष्ठ, सजग एवं जनसेवा के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी मुख्य समारोह को त्रुटिहीन, भव्य एवं गरिमामयी बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को परेड ग्राउंड की समुचित व्यवस्था, अतिथियों के सुव्यवस्थित बैठने, यातायात एवं सुरक्षा प्रबंधन, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रूणवाल, क्षेत्राधिकारी यातायात सुश्री चारु द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर, प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र मो0 नदीम, आरटीसी प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज रेणुकूट के विद्यार्थियों ने जिले में लहराया परचम

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। हिण्डालको द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज, रेणुकूट (ए.बी.आई.सी.), सोनभद्र के विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के गणित वर्ग के छात्र हरिओम तिवारी ने 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में द्वितीय स्थान तथा विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी क्रम में छात्र कुशान कनौजिया ने 89.88 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में द्वितीय स्थान एवं जिले में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा निहारिका सिंह ने 87.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में तृतीय स्थान तथा जिले में दशम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस गौरवशाली सफलता पर हिण्डालको के यूनिट हेड समीर नायक मानव संसाधन क्लस्टर प्रमुख जसवीर सिंह मानव संसाधन प्रमुख एवं विद्यालय प्रबंधक अजय कुमार सिन्हा प्रधानाचार्य दयानन्द शुक्ल एवं उप-प्रधानाचार्य विजय भागवत पाटिल ने सभी सफल छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक–
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

दीक्षांत परेड हेतु भव्य एवं अनुशासित पूर्वाभ्यास सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र के परेड ग्राउंड में आगामी दीक्षांत परेड समारोह के सफल एवं गरिमामयी आयोजन के दृष्टिगत भव्य पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों द्वारा अद्वितीय अनुशासन, समर्पण एवं उत्साह का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात मार्च पास्ट में रिक्रूट्स ने बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक एवं प्रभावशाली तालमेल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जो उनकी कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष उदाहरण रहा। निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की गई तथा उन्हें भविष्य में कर्तव्यनिष्ठ, सजग एवं जनसेवा के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी मुख्य समारोह को त्रुटिहीन, भव्य एवं गरिमामयी बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को परेड ग्राउंड की समुचित व्यवस्था, अतिथियों के सुव्यवस्थित बैठने, यातायात एवं सुरक्षा प्रबंधन, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रूणवाल, क्षेत्राधिकारी यातायात सुश्री चारु द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर, प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र मो0 नदीम, आरटीसी प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बच्चो, तुमने तोते या किसी अन्य जंतु को मनुष्य की आवाज या विभिन्न तरह की ध्वनियों की नकल करते सुना होगा। ये पशु-पक्षी क्यों और कैसे आवाजों की नकल कर लेते हैं, इस बारे में जानो।

आवाजों की नकल करने में माहिर होते हैं कुछ पशु-पक्षी

जानकारी

शिखर चंद जैन

बच्चो, कुछ पशु-पक्षियों में इंसान की बोली की नकल करने की क्षमता पाई जाती है। कई जंतु तो ऐसे भी होते हैं, जो मनुष्य की बोली के अलावा अन्य स्रोतों से आ रही आवाजों की भी हू-ब-हू नकल कर लेते हैं। तोता, मैना, लायरबर्ड जैसे पक्षी और डॉल्फिन जैसे जलीय जंतु में ये गुण विशेष रूप से पाए जाते हैं। मनुष्य की बोली या फिर किसी आवाज की नकल करने की क्षमता इन जंतुओं की शारीरिक संरचना, मस्तिष्क की संरचना और बुद्धिमत्ता पर निर्भर करती है। इसे विस्तार से जानो-

विशिष्ट स्वर तंत्र

कुछ पक्षियों में सिरिंक्स नामक एक विशेष अंग स्वरयंत्र होता है, जो उनके श्वास नली में स्थित होता है। यह मनुष्यों के स्वरयंत्र लैरिंक्स से अलग होता है, यह इन पक्षियों में विभिन्न ध्वनियों को उत्पन्न करने में अत्यधिक लचीलापन प्रदान

करता है। तोता, मैना और लायरबर्ड जैसे पक्षियों में सिरिंक्स की मांसपेशियां जटिल ध्वनियों को दोहराने में सक्षम होती हैं। लायरबर्ड का सिरिंक्स तो इतना विकसित होता है कि यह चेनसॉ या कैमरे के शटर जैसी यांत्रिक ध्वनियों की भी नकल कर सकता है। पक्षियों के अलावा डॉल्फिन जैसे कुछ स्तनधारी जंतु नाक के छिद्रों और गले की मांसपेशियों का उपयोग करके ध्वनियां उत्पन्न करते हैं। ये जीव मानव सीटी या क्लिक्स जैसी ध्वनियों की भी नकल कर सकते हैं। उनकी नकल शब्दों तक सीमित होती है। इन प्राणियों में ध्वनि उत्पन्न करने वाली मांसपेशियों पर उच्च स्तर का नियंत्रण होता है, जिससे वे विभिन्न आवृत्तियों और स्वरों को दोहरा सकते हैं।

उत्कृष्ट श्रवण क्षमता

आवाज या ध्वनि की नकल करने वाले प्राणी उत्कृष्ट श्रवण क्षमता रखते हैं, जो उन्हें जटिल ध्वनियों को सुनने, विश्लेषण करने और दोहराने में मदद करती है। जैसे अफ्रीकी ग्रे पैरेट न केवल शब्दों को दोहराता है, बल्कि उनके स्वर और लहजे को भी कॉपी करता है। लायरबर्ड जैसे पक्षी पर्यावरणीय ध्वनियों को सुनकर उन्हें सटीक रूप से दोहराते हैं।

मस्तिष्क की बुद्धिमत्ता और स्मृति

कुछ पक्षियों, जैसे अफ्रीकी ग्रे पैरेट और रेवेन में बड़ा और जटिल मस्तिष्क होता है, विशेष रूप से उनका फोरब्रेन क्षेत्र, जो ध्वनियों को सीखने और

याद रखने में मददगार होता है। न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों के अनुसार तोते में एक विशेष मस्तिष्क क्षेत्र होता है, जिसे 'सॉन्ग सिस्टम' कहा जाता है। यह क्षेत्र ध्वनियों को सीखने और उन ध्वनियों को दोहराने में मदद करता है। डॉल्फिन में भी बड़ा मस्तिष्क और जटिल न्यूरल नेटवर्क होता है, जो इसे ध्वनियों को समझने और दोहराने में सक्षम बनाता है।

सामाजिक संपर्क और प्रशिक्षण

कई बार पालतू पक्षी जैसे तोता-मैना आदि मानव संपर्क में रहने के कारण नकल करते हैं। वे बार-बार सुने गए शब्दों या वाक्यांशों को सीख लेते हैं, उन्हें दोहराते हैं। लायरबर्ड जैसे जंगली पक्षी सामान्य तौर पर प्राकृतिक ध्वनियों (जैसे- पशु-पक्षियों की आवाजें या अन्य ध्वनियां, जो उन्हें सुनाई देती हैं) की ही नकल लेते हैं। लेकिन इंसानों के संपर्क में आने पर, इंसानों की आवाज सुनकर लायरबर्ड्स इंसानी बोली की भी नकल कर सकते हैं। *

क्यों करते हैं नकल

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि ये जंतु आवाजों की नकल क्यों करते हैं? नकल करने का जो कारण है, वह इन प्राणियों के प्राकृतिक व्यवहार, सामाजिक संरचना और अस्तित्व की रणनीतियों से जुड़ा होता है।

सामाजिक संवाद: ज्यादातर पक्षी और डॉल्फिन सामाजिक प्राणी हैं। नकल उनकी सामाजिक संरचना का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वे अपने समूह के अन्य सदस्यों के साथ संवाद करते हैं। जैसे तोता और मैना अपने झुंड में पहचान स्थापित करने के लिए विशिष्ट ध्वनियों की नकल करते हैं। पालतू होने पर वे मानव को अपने 'झुंड' का हिस्सा मानकर और कभी-कभी उनसे मैत्री भाव दर्शाने के लिए भी उनकी बोली की नकल करते हैं। डॉल्फिन अपने समूह (पॉड) में संवाद के लिए सीटियां और क्लिक्स का उपयोग करती हैं। मानव ध्वनियों की नकल उनके सामाजिक बुद्धिमत्ता का हिस्सा हो सकती है।

पर्यावरणीय अनुकूलन: जंगली पक्षी, जैसे कौए और रेवेन पर्यावरणीय ध्वनियों की नकल करके अपने आस-पास के खतरों या अवसरों को समझते हैं। उदाहरण के लिए वे शिकारियों की आवाज की नकल करके अन्य जानवरों को चेतावनी देते हैं। लायरबर्ड जैसे पक्षी पर्यावरण की ध्वनियों (जैसे पानी की आवाज या अन्य पक्षियों की कॉल) की नकल करके अपने क्षेत्र में छिपने या संवाद करने में मदद लेते हैं।

बुद्धिमत्ता और जिज्ञासा: अफ्रीकी ग्रे तोते और डॉल्फिन जैसे प्राणी अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। उनकी जिज्ञासा और सीखने की क्षमता उन्हें नई ध्वनियों को सीखने और दोहराने के लिए प्रेरित करती हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि अफ्रीकी ग्रे तोता 'एलेक्स' न केवल शब्दों को दोहराता था बल्कि उनके अर्थ को समझकर संदर्भ में जवाब देता था, जैसे रंग या आकार के आधार पर वस्तुओं की पहचान करना।

मानव संपर्क का प्रभाव: पालतू पक्षी जैसे तोता, मैना और खजरिगर, मानव बोली की नकल इसलिए करते हैं, क्योंकि वे अपने मालिकों के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं। यह उनके सामाजिक लगाव का हिस्सा है। मानव द्वारा प्रशिक्षण और पुरस्कार जैसे भोजन या ध्यान आकर्षण भी उन्हें नकल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पुलकित ने एक दिन अपनी मां को बताया कि वह बड़ा होकर वैज्ञानिक बनेगा। उसका यह सपना पूरा हो, इसके लिए मां ने उसे जो सूत्र दिया, बच्चो तुम भी जानो, अपने सपने पूरे करो।

पुलकित का सपना

प्रेरक कहानी

नीलम राकेश

बारह साल का पुलकित उस दिन मां के पास आकर बोला, 'मम्मी जी, मैंने फैसला कर लिया है कि मैं बड़ा होकर क्या बनूंगा?'

'अरे वाह! यह तो बहुत अच्छी बात है। क्या सोचा है तुमने?' मां ने उत्सुक होकर पुलकित से पूछा।

'मैं बहुत बड़ा वैज्ञानिक बनूंगा।' पुलकित ने बताया।

'अच्छा तो तुम वैज्ञानिक क्यों बनना चाहते हो?' मां ने जानना चाहा।

'मैं बहुत दिनों से सुन रहा हूं, बड़े लोग बात करते हैं, खेती के लिए जमीन की कमी हो रही है। इस तरह तो अनाज की कमी हो जाएगी। इंसान क्या खाएगा? इसीलिए मैंने सोचा है, मैं वैज्ञानिक बनकर इस समस्या का कोई हल खोजूंगा।' पुलकित थोड़ा गंभीर होकर बोला।

'यह तो बहुत अच्छी बात है। तो तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो। तभी वैज्ञानिक बनकर तुम अपने सपने को पूरा कर सकोगे।' मां पुलकित के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए बोलीं।

पुलकित कुछ आश्चर्य से बोला, ' लेकिन मम्मी आप मेरी बात पर हंसी नहीं? जब मैंने अपने दोस्तों को यह बात बताई तो सबने मेरा खूब मजाक उड़ाया। स्कूल में बहुत से बच्चे मुझे देखते ही कहने लगते हैं-आ गए वैज्ञानिक महाशय।'

'यह तो सफलता का पहला लक्षण है। तुम जरूर एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनोगे।' मां ने बेटे का हौसला बढ़ाया।

'वो कैसे..?' पुलकित ने आश्चर्य से मम्मी से पूछा।

'जानते हो बेटा, हमारे जितने भी महान वैज्ञानिक हुए हैं, वे सब आम लोगों से हटकर सोचते थे। क्योंकि वे समय से आगे की सोचते थे। इसलिए लोगों को लगता कि वो जो कह रहे हैं, वह एक पागलपन है। लेकिन आगे जाकर उनका यही पागलपन यानी लक्ष्य पाने का जुनून किसी बड़े आविष्कार का कारण बना। आज लोग तुम पर हंस रहे हैं, क्योंकि वह तुम्हारी बात नहीं समझ पा रहे हैं। बेटा, लोगों का मजाक उड़ाना भूलकर तुम्हें बस अपने ऊपर विश्वास करके खूब मेहनत और गंभीरता से पढ़ाई करनी चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति कटिबद्ध रहना है। देखना एक दिन तुम जरूर सफल होगे।'

मां की बात सुनकर नन्हे पुलकित के चेहरे पर विश्वास की आभा तैर उठी। उसने मन ही मन संकल्प लिया वह वैज्ञानिक बनकर कोई ऐसी खोज जरूर करेगा, जिससे देश में इतना ज्यादा अनाज पैदा हो कि लोगों के लिए इसकी कमी ना हो। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बच्चो, वरिष्ठ लेखक गोविंद शर्मा कई दशकों से रोचक, प्रेरक बाल कहानियां लिख रहे हैं। उनकी 36 प्यारी-प्यारी कहानियों की किताब 'मेरी पसंद की बाल कहानियां', शकुंतला कालरा के संपादन में छपकर हाल में ही आई है। ये कहानियां मनोरंजक तो हैं ही, साथ ही हर कहानी में तुमको कोई न कोई प्रेरणा या शिक्षा भी जरूर मिलेगी। 'सोने का अंडा' कहानी कहती है कि लालच हमेशा बुरा परिणाम ही देता है। 'जल की रानी' कहानी में तुम पढ़ोगे कि किस तरह एक नन्ही बच्ची, खरगोश को स्विमिंग पूल में डूबने से बचा लेती है। कुछ इसी तरह की कहानी है 'छत पर पूल', जिसमें बच्चे चिड़िया को बचाने के लिए छत पर तालाब जैसा बना देते हैं। 'काचू की टोपी' कहानी हंसते-हंसाते बताती है कि हमें सच्चाई का रास्ता कभी नहीं छोड़ना चाहिए। इसी तरह 'जल कंजूस', 'चुटकी भर मिट्टी' और 'पानी में पैसा' जैसी कहानियां पर्यावरण के प्रति सजग बनाती हैं। बच्चो, सभी कहानियां तुम्हें जरूर अच्छी लगेंगी। *

किताब: मेरी पसंद की बाल कहानियां-गोविंद शर्मा, **संपादन:** डॉ. शकुंतला कालरा, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

टीचर: अगर तुम महान काम करोगे, तो तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा।
रमन: लेकिन सर, मेरे पुराने नाम का क्या होगा?
-श्रेया, रायपुर

गप्पू: मेरी बिल्ली अपना नाम खुद बोल सकती है।
पप्पू: अच्छा! क्या नाम है तुम्हारी बिल्ली का?
गप्पू: म्याऊं।
-अक्षत, बिलासपुर

टीचर: तुम 18वीं सदी के वैज्ञानिकों के बारे में क्या जानते हो?
रोहित: सर, यही कि वे अब इस दुनिया में नहीं है।
-सारांश, रोहतक

जीके क्विज-202

1. आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन कहां किया जाएगा?
2. मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का खिताब किसने जीता है?
3. हरियाणा के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
4. बोहाग बिहू किस राज्य का प्रसिद्ध उत्सव है?
5. वायुमंडल की कौन-सी परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है?
6. किस शासक ने ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण कराया था?
7. स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री कौन थे?
8. दालों में सेहत के लिए लाभदायक कौन-सा तत्व प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
9. राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष कौन होता है?
10. एनीमिया नामक रोग शरीर में किस तत्व की कमी से होता है?

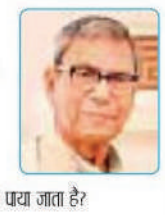

बच्चो, जीके क्विज-202 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-201 का उत्तर: 1. दिव्या सिंह, 2. सम्राट चौधरी, 3. ताइक्वांडो, 4. भुवनेश्वर कुमार, 5. 1 मई, 6. कृष्णदेव राय, 7. बैकाल, 8. 12 सदस्य, 9. सिस्मोग्राफ, 10. कावेरी

जीके क्विज-201 का सही उत्तर देने वाले : गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, आनंद-सीतापुर, सौम्या-रायगढ़, स्वप्निल-जांजगीर, हेमंत-बिलासपुर, तरुण-रोहतक, कविता-महासमुंद

कहानी

इंदिरा त्रिवेदी

रिनी, वार्डरोब में अपने कपड़े बड़े ही बेतरतीब ढंग से रखती थी। उसकी इसी लापरवाही पर एक दिन उसके कपड़े, आपस में बात करके अपनी नाराजगी, गुस्सा प्रकट करने लगे। उन्हें इस बात की तकलीफ थी कि वे रिनी से कुछ बोल नहीं सकते। फिर भी क्या रिनी की आदत में कोई सुधार हुआ?

काश! हम कुछ कह पाते

लो और कपड़े आ गए वार्डरोब के अंदर! वैसे ही वार्डरोब ठसाठस भरी हुई थी।' कहते हुए रिनी की वार्डरोब में रखी शॉर्ट कुर्ती ने मुंह बनाया। यह देख नया टॉप पहले थोड़ा सकुचाया फिर बोला, 'क्या हुआ बहन, क्या कहना चाह रही हो?'

'कुछ नहीं, तुम नए-नए हो इसलिए कुछ नहीं जानते। कुछ समय बाद तुम्हें अपने आप ही पता चल जाएगा।' शॉर्ट कुर्ती रुक-रुक कर बोली। 'क्या बात है बहन, कुछ तो बताओगी या ऐसे ही पहेलियां बुझाती रहोगी!' नए टॉप ने बात जाननी चाही।

'क्या बताऊं भाई, दरअसल रिनी बहुत लापरवाह लड़की है। कोई भी कपड़ा कहीं भी पटक देती है। कपड़े यहां-वहां पटक देना इसने अपनी आदत ही बना ली है। आज मैं जरूर वार्डरोब में धुली और प्रेस की हुई करीने से रखी हूं, लेकिन पिछले चार दिनों से दरवाजे के पीछे पड़ी धूल खा रही थी। रिनी को जब मम्मी की जोरदार डांट पड़ी, तब उसने मुझे धुलने को दिया और प्रेस होने के बाद मैं आज चैन की सांस ले रही हूं। तुम अभी नए नए हो। धीरे-धीरे सब कुछ जान जाओगे।' शॉर्ट कुर्ती ने अपनी परेशानी बताई। यह सुनकर टॉप सोच में पड़ गया, लेकिन रिनी और घर के अन्य सदस्यों के बारे में जानने की उसकी जिज्ञासा बढ़ गई, बोला, 'अच्छा बहन, रिनी और घर के अन्य सदस्यों के बारे में थोड़ा और बताओ।'

शॉर्ट कुर्ती बोली, 'घर के सदस्यों के बारे में क्या बताऊं भाई। और लोग तो जितने व्यवस्थित हैं, उतनी ही रिनी लापरवाह है। उसकी एक दीदी है, बेचारी अकसर मशीन लगा-लगाकर कपड़े धोती रहती है। मम्मी भी धुले हुए कपड़ों को तह करके जब देखो तब रखती रहती हैं, लेकिन अपने कपड़ों को तो रिनी को खुद ही संभालना चाहिए न। क्यों सही कहा न मैंने?' 'हां, हां बिल्कुल, अपना काम तो स्वयं ही करना चाहिए। और वैसे भी इतनी छोटी थोड़ी है वो जो अपना काम न कर सके।' टॉप बोला।

'वही तो मैं भी कह रही हूं, नाइंथ क्लास में वह आ गई है, कुछ तो अक्ल आ जानी चाहिए न!' कुर्ती भुनभुनाई। 'हूं..!' टॉप ने हां में हां मिलाई। उसके साथ ही वार्डरोब में रखे अन्य कपड़ों ने भी सिर हिलाकर अपनी-अपनी सहमति दी। शॉर्ट कुर्ती ने देखा कि सभी कपड़े उसकी बात को ध्यान से सुन रहे हैं। यह देखकर वह और जोश में आ गई। सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए बोली, 'एक बार की बात बताऊं?'

'हां-हां बताओ-बताओ..।' सभी कपड़े एक स्वर में बोले। कुर्ती ने जोश में बताना शुरू किया, 'करीब दो महीने पहले की बात है, रिनी अपने चाचाजी के घर गई थी। चाचाजी की एक बेटी रिनी की हमउम्र है। उस दिन रिनी ने मुझे ही पहना हुआ था। मैंने देखा रिनी के चाचाजी का घर बहुत बड़ा, साफ-सुथरा था। घर की हर चीज करीने से सजी हुई थी। रिनी के चाचाजी की बेटी का नाम सोना है। उसका एक अलग कमरा था। कमरे में उसकी दो अलमारियां थीं। एक किताबों की और दूसरी कपड़ों की। जब रिनी सोना के कमरे में गई तो उसने अपना कमरा दिखाया, साथ में अपनी अलमारियां भी रिनी को दिखाईं। दोनों अलमारियां बहुत अच्छी साफ-सुथरी और व्यवस्थित थीं। कपड़ों की अलमारी में घर के कपड़ों का अलग रैक था। स्कूल के कपड़े, टाई, बेल्ट, मोजे, बैज हर चीज अपनी जगह पर रखी हुई थी। शू-रैक में शूज और चप्पलें करीने से जमे हुए थे। यह सब देखकर मेरी तो आंखें फटी की फटी रह गईं, लेकिन रिनी पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। हैरानी की बात तो यह है कि सोना स्वयं अपनी दोनों अलमारी को जमाती है, उसे साफ-सुथरा रखती है।' कुर्ती ने यह भी बताया, 'वैसे यहां मम्मी और दीदी भी अपनी चीजों को अच्छी तरह रखते हैं, लेकिन रिनी ही लापरवाह है। ऐसे में हम कपड़ों की उम्र भी कम हो जाती है।'

तभी एक लाल रंग की फ्रॉक चहकते हुए बोली, 'छोटा मुंह और बड़ी बात, एक बात कहना चाहूंगी कि कपड़े इंसान की शोभा बढ़ाते हैं, यह बात सच है कि नहीं।' अन्य कपड़ों ने भी उसकी बात से सहमति प्रकट की, 'बिल्कुल सही कहा लाल फ्रॉक तुमने।' नए टॉप ने भी कपड़ों का महत्व माना, वह बोला, 'अगर व्यक्ति साफ-सुथरे और प्रेस किए कपड़े पहनता है तो उसका व्यक्तित्व कुछ खास नजर आता है। और तो और, अच्छे और साफ-सुथरे कपड़े पहनने से मनुष्य का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।' 'लेकिन इन्हें कैसे समझाएं? काश! हम कुछ कह पाते।' सभी कपड़े एक साथ बोल पड़े। यह चर्चा चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा खुला और रिनी के साथ मम्मी और दीदी भी आ गए। रिनी ने अपनी वार्डरोब जैसे ही खोली, धड़धड़ाते हुए कपड़े जमीन पर गिर पड़े। उसने पलटकर देखा तो मम्मी और दीदी उसे गुस्से में देख रही थीं। रिनी बहुत शर्मिंदा हुई। उसने मन ही मन संकल्प कर लिया कि वह भी अपनी अलमारी को सोना की तरह जमाकर अच्छी तरह रखेगी।

उस दिन के बाद से रिनी सुधर गई और अपने कपड़े ही नहीं, अपनी हर चीज को जगह पर और संभालकर रखने लगी। रिनी की इस बदली आदत से सारे कपड़े खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। दीदी और मम्मी-पापा भी रिनी की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। *

कविता

राजेंद्र श्रीवास्तव

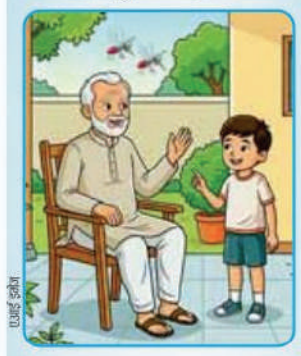

मच्छर जब आते हैं

रोहन बोला दादा जी से
मच्छर जब आते हैं।
आसपास कानों के आकर
भन-भन-भन्नाते हैं।
जब भी आते खून चूसकर
चुपके से उड़ जाते।
डेंग्यू और मलेरिया ज्वर
ये मच्छर फैलाते।
दादू बोले दोष न इनका
यह है भूल हमारी।
कचरा नमी गंदगी देखो
फैली कितनी सारी।
साफ स्वच्छ जब आसपास का
वातावरण बनेगा।
दूर-दूर तक कोई मच्छर
तो फिर नहीं दिखेगा।

रंग भरो-200

रंग भरो-200 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे है। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे है।

आन्या, दुर्ग

अमोल, बेमेतरा

तोयराज, रायपुर

आशना, जांजगीर

माही, महासमुंद

आर्यन, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

रियांशी-बहादुरगढ़, विशिका-बिलासपुर, इरम-धमतरी, डॉली-मटियारी, किंजल-जबलपुर, सुमित-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, दिव्या-जांजगीर, कविता-रायपुर, हितेश-दिल्ली, राकेश-हिसार, अंकित-गुना, सुयश-करनाल, रिंकी-बालोद

रंग भरो 201

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी ड्रॉइंग बना रही है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।